दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 100
कोटद्वार शनिवार
5 अगस्त 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं

दैनिक जयन्त

www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

शिक्षा विभाग में हुए 15 प्रतिशत तबादले निरस्त नहीं होंगे

नैनीताल। शिक्षा विभाग में माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत किए गए 100 से अधिक शिक्षकों के तबादले निरस्त नहीं होंगे। विभाग ने इस मामले में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि नियमविरुद्ध हुए केवल तीन तबादलों में संशोधन हुआ है। इसके अलावा शेष यानि 15 प्रतिशत के दायरे में किए गए तबादले रद्द नहीं होंगे। शिक्षा महकमे में शासन के निर्देशों के क्रम में 15 प्रतिशत शिक्षकों के सुगम से दुर्गम में स्थानांतरण किया गया। बीते 25 जून तक चली इस प्रक्रिया में कुमाऊं मंडल में करीब 100 शिक्षकों को अन्यंत्र सेवाएं दिए जाने के आदेश जारी किए गए। मानकों के आधार पर लंबे समय से सुगम में तैनात शिक्षकों को दुर्गम के विद्यालयों में सेवा के लिए भेजा गया, लेकिन इसी बीच राजकीय शिक्षकों की ओर से प्रक्रिया को चुनौती देते हुए आपत्ति दर्ज कराई गई। जिसमें कहा गया कि कुमाऊं मंडल में 15 प्रतिशत अनिवार्य तबादलों में मानकों से अधिक शिक्षकों को स्थानांतरित किया गया है।

गौरीकुंड में भू-स्खलन, 19 लोग लापता, दो दुकानें और एक खोका बहा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : गौरीकुंड डाट पुलिया के समीप भूस्खलन होने से 19 लोग लापता बताए जा रहे है। भू-स्खलन की चपेट में आने से दो दुकानें और एक खोका भी बह गया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि गौरीकुंड के समीप सर्च-रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है। डीडीआरफ, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, वाईएमएफ, पुलिस, तहसील ऊखीमठ तहसीलदार मौके पर मौजूद है। बताया कि कुछ व्यक्तियों के लापता होने की आकांक्षा जताई जा रही है सर्च रेस्क्यू जारी है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि गौरीकुंड डाट पुलिया के समीप भू-स्खलन होने के कारण 2 दुकाने और 1 खोका बहने की सूचना प्राप्त हुई है। कहा कि उक्त स्थान पर 19 लोगों के होने की सूचना है तो लापता है। जिसमें आशु उम्र 23 साल निवासी जनई, प्रियांशु चमोला पुत्र कमलेश चमोला 18 साल निवासी तिलवाड़ा, रणबीर सिंह 28 साल निवासी बस्टी, अमर बोहरा पुत्र मान बहादुर बोहरा निवासी नेपाल, अनिता बोहरा पुत्री अमर बोहरा 26 साल निवासी नेपाल, राधिका बोहरा पुत्री अमर बोहरा 14 साल निवासी नेपाल, पिंकी बोहरा पुत्री अमर बोहरा 8 साल निवासी नेपाल, पृथ्वी बोहरा पुत्र अमर बोहरा 7 साल निवासी नेपाल, जटिल पुत्र अमर बोहरा 6 साल निवासी नेपाल, वकील पुत्र अमर बोहरा 3 साल निवासी नेपाल, विनोद पुत्र बदन सिंह 26 साल निवासी खानवा भरतपुर, मुलायम पुत्र जसवंत सिंह 25 साल निवासी नगला बंजारा सहारनपुर, बीर बहादुर पुत्र हरि बहादुर, सुमित्रा पत्नी बीर बहादुर, निशा पुत्री बीर बहादुर निवासी ग्राम व थाना राया जिला होमला आंचल करनाली, नेपाल, जिनका मौके पर ढाबा था तथा ढाबों में खाना खाने आए धर्मराज बूढ़ा पुत्र मुन बहादुर निवासी पेरे वार्ड नंबर-2 थाना दिल्ली चैरा जिला जमुला आंचल करनाली नेपाल, चंद्र कामी पुत्र लाल बहादुर एवं सुखराम रावत पुत्र जोरा निवासी चैरा वार्ड नंबर-2 थाना दिल्ली चैरा जिला जमुला आंचल करनाली नेपाल भी घटना के बाद लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना में अब तक 19 लोगों की लापता होने की सूचना है। जिनका सर्च रेस्क्यू जारी है।

गौरीकुंड में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए रेस्क्यू टीम के सदस्य।

जिला प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग गौरीकुंड डाटपुलिया के समीप भारी भू-स्खलन की घटना की सूचना पर जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार, पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में लगी रेस्क्यू टीम से घटना के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने भू-स्खलन के कारण लापता हुए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने सर्च रेस्क्यू कार्य में लगी डीडीआरएफ, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, वाईएमएफ, पुलिस एवं प्रशासनिक टीमों को रेस्क्यू कार्य को तत्परता के साथ सावधानी एवं सतर्कता से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घटना स्थल पर हो रहे भू-स्खलन से आवाजाही को सावधानी से कराने, टीमों को सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, पुलिस उपाधीक्षक विमल रावत सहित रेस्क्यू टीम के सदस्य मौजूद रहे।

गौरीकुंड में हर चुनौती से निपटने के लिए शासन-प्रशासन तैयार : सीएम

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय, देहरादून स्थित आपदा कंट्रोल रूम में पहुंचकर प्रदेश भर में जारी बारिश की स्थिति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरीकुंड में हुए हादसे के बाद लगातार राहत बचाव कार्य जारी है। लापता लोगों को ढूंढने हेतु सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हादसे में मृतक एवं लापता लोगों के परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है। एसडीआरएफ जिला प्रशासन सभी टीमें मौके पर मौजूद हैं, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए शासन-प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

मुख्यमंत्री ने रुद्रप्रयाग जिले के गौरीकुंड में हुए हादसे में संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने गौरीकुंड में चल रहे राहत बचाव कार्य में तीव्र गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही शासन स्तर से गौरीकुंड क्षेत्र में हर संभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की प्रमुख नदियों के जलस्तर की जानकारी ली। उन्होंने कहा जिन भी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ जाने से बाढ़ की समस्या आ रही है, उन सभी स्थानों पर अलर्ट जारी किया जाए एवं सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों के आसपास बनी इमारत एवं कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव अभिनव कुमार सचिव आपदा रंजीत सिन्हा आदि मौजूद रहे।

अनुपस्थित चल रहे तीन चिकित्सकों की हुई सेवा समाप्त

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने कार्यस्थल से निरंतर अनुपस्थित रहने वाले आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरमीत कौर, डॉ. प्रीति सारस्वत, डॉ. सर्वान्स मालवीय की सेवाएं समाप्त किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है।मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों हेतु प्रदान की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री घोषणा के क्रम में मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र खटीमा में सैनिक मिलन केंद्र की स्थापना हेतु 162.26 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किस्त के रूप में 97.35 लाख रुपये, जनपद चमोली के विधानसभा क्षेत्र बद्रीनाथ में पुलना-1 में पार्किंग के निर्माण किए जाने हेतु 1 करोड़ 12 लाख के सापेक्ष अवशेष धनराशि 66.51 रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ के ग्राम पंचायत सूरौण के छुर्मल में मेला स्थान के सौंदर्यीकरण एवं धर्मशाला के निर्माण हेतु 63 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में 37.80 लाख, विधानसभा क्षेत्र चंपावत में घटकु-हिडिम्बा मंदिर को कुमाऊंनी शैली में निर्माण कराए जाने हेतु 94.40 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किस्त के रूप में 56.64 लाख रुपये तथा जनपद चंपावत के विकासखंड बाराकोट के ग्राम पंचायत खोला सुनार में टाइल्स निर्माण कार्य हेतु 23.07 लाख रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

महिलाओं को दी सौगात

मुख्यमंत्री के निर्देश पर रक्षाबंधन के अवसर पर आगामी 30 अगस्त को प्रदेश की महिलाओं को प्रदेश के अंदर उत्तराखण्ड परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों के किराये में शत प्रतिशत छूट दी जायेगी। इस सम्बन्ध में सचिव परिवहन अरविंद सिंह ह्यांकी द्वारा प्रबंध निदेशक उत्तराखण्ड परिवहन निगम को निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

नगर पंचायत बेरीनाग बनी नगर पालिका परिषद

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला पिथौरागढ़ के नगर पंचायत बेरीनाग क्षेत्र को नगर पालिका परिषद बेरीनाग नगरीय क्षेत्र के रूप में गठित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही शासन द्वारा नगर निगम हल्द्वानी-काठगोदाम जनपद नैनीताल के वार्डों के परिसीमन के सम्बन्ध में भी कतिपय दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

IHMS KOTDWAR
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
ISO 9001-2015 Certified
Institute of Hospitality, Management & Sciences
Admissions Open 2023
"Journey Towards Excellence"
AVAILABLE PROGRAMMES
M.B.A. 2 Years
FIRST AICTE APPROVED COLLEGE IN REGION

B.H.M.	B.Sc. IT	B.B.A.	B.C.A.	C.H.M.
4 Years	3 Years	3 Years	3 Years	1 Year

- Attractive Scholarships
- Industrial Tour
- Value Added Courses @ 0% cost
- Internship in Leading Companies

Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

हल्द्वानी में शीशमहल प्लांट की दोगुनी क्षमता का दूसरा फिल्टर प्लांट बनेगा

हल्द्वानी। मानसून व गर्मी में हल्द्वानी शहर में पानी की समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी वंदना ने शनिवार को शीशमहल फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शहर की पेयजल समस्या के समाधान के लिए शीशमहल प्लांट की क्षमता दोगुनी करने के सुझाव आए हैं। उन्होंने इसके तहत नए फिल्टर प्लांट के लिए नगर आयुक्त व सिटी मजिस्ट्रेट को भूमि चिह्नित किए जाने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान कहा कि हल्द्वानी शहर को रोज 70 से 80 एमएलडी पानी की आवश्यकता होती है।

शीशमहल प्लांट व ग्रेविटी से करीब 35 एमएलडी पानी उपलब्ध हो पाता है। अतिरिक्त पानी के लिए नलकूपों पर निर्भर रहना पड़ता है। मानसून में मोटर या पम्प खराब होने से जलापूर्ति प्रभावित होती है। हल्द्वानी शहर में भूमिगत वाटर सप्लाई का लेवल काफी कम है।

उत्तराखंडी फिल्म जै मां धारी देवी के पहले शो का हुआ प्रदर्शन

ऋषिकेश। ऋषिकेश के सिनेमाघर रामा पैलेस में उत्तराखंडी फिल्म जै मां धारी देवी के पहले शो का प्रदर्शन किया गया। जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखने को मिला। दर्शकों ने यह फिल्म को मां धारी देवी की महिमा की जानकारी और धार्मिकता के लिए जरूरी बताया। शुक्रवार को दून मार्ग स्थित रामा पैलेस में प्रातः 10.45 बजे उत्तराखंडी फिल्म जै मां धारी देवी का प्रदर्शन हुआ। जिसका शुभारंभ फिल्म के लेखक और निर्माता निर्देशक देबू रावत ने किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उत्तराखंड फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है। यह फिल्म मां धारी देवी की महिमा पर बनी धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक कहानी पर आधारित है। फिल्म के सह निर्माता महेन्द्र नेगी, सरला महेन्द्र नेगी और रजनी रावत हैं, डिजिटल निर्माता सोहन उनियाल, डीओपी मनोज प्रसाद सती, निर्माण प्रबन्धक प्रदीप नैथानी, गीत और संगीत गढ़रत्न नरेन्द्र सिंह नेगी का है। इस दौरान फिल्म देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। मौके पर फिल्म के मुख्य कलाकार गौरव गैरोला, शिवानी भंडारी, पूजा काला, सुमन गौड़, गीता उनियाल, राजेश मालगुडी, अजय बिष्ट, राजेश जोशी, आनन्द सिलस्वाल, राज कबसूड़ी, निर्माण प्रबन्धक प्रदीप नैथानी, रणवीर चौहान, पुरुषोतम जेठुड़ी, निर्माता राकेश धामी, सीता पयाल आदि उपस्थित रहे।

विस्थापित क्षेत्र में दस इमारतें सील

ऋषिकेश। विस्थापित आमबाग क्षेत्र में एमडीडीए में शुक्रवार को फिर से कार्रवाई करते हुए 10 निर्माणाधीन भवनों को सील कर दिया। कार्रवाई से निर्माणकर्ताओं में हड़कंप मचा रहा। इस दौरान निर्माणकर्ताओं को सीलिंग से छेड़छाड़ पर अधिकारियों ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। अभी तक प्राधिकरण 46 भवनों को सील कर चुका है।

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता एमके जोशी की अगुवाई में अधिकारियों की टीम पहले आमबाग और वीआईपी विस्थापित क्षेत्र में पहुंची। यहां टीम ने दो निर्माणाधीन भवनों को सील किया। इसके बाद निर्मल ब्लॉक में आठ इमारतों पर सीलिंग हुई। कार्रवाई के वक्त अधिकारियों के फोन लगातार घनघनाते रहे। कई निर्माणकर्ता हाथों में दस्तावेज लेकर भी अधिकारियों से मोहलत भी मांगते दिखे।

भारी बारिश और भूस्खलन से जौनसार— बावर के 22 मोटर मार्ग बंद

विकासनगर। जौनसार–बावर के मार्गों को खुले अभी चौबीस घंटे भी पूरे नहीं हुए कि फिर से भारी बारिश और भूस्खलन से मार्गों पर आये मलबे के कारण 22 मोटर मार्ग फिर से बंद हो गए। जिससे क्षेत्र के लोगों की दुस्वारियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। किसान अपने खेतों की नगदी फसलों को बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।बारिश के कारण जौनसार–बावर क्षेत्र के 22 मोटर मार्गों पर यातायात बंद हो गया है। पहाड़ियों पर हो रहे भारी भूस्खलन के कारण मलबा सड़कों पर आने व सुरक्षा दीवारों के टूट जाने के कारण मोटर मार्ग बंद हो गये है। जिससे क्षेत्र की चालीस से अधिक गांव यातायात सेवाओं से पूरी तरह से कट गये हैं। बंद पड़े मोटर मार्गों में हरिपुर इच्छाडी क्वनू मीनस मोटर मार्ग, कालसी चकराता स्टेट हाईवे, मनीस अटाल, साहिया क्वनू, माखटी पोखरी, रायगी कुलहा, डांगूठा कथियान, रडू मुंधोल, अणु चिल्हाड, डुंगियारा, मरलऊ बडोडा, टुंगरा, रोहट खड्ड अटाल, ड्यूदिलानी थलीन सकरौल, दादुवा कितरौली, लुहान बैंड, कोठा सैंज, खारसी बनियाना, गडूल सकरौल, ध्वेरा देऊ, जखथान आदि मोटर मार्ग बंद रहे। हालांकि कालसी चकराता मोटर मार्ग को सुबह ही वाहनों के लिए खोल दिया गया। लेकिन अन्य मोटर मार्ग दोपहर तक भी नहीं खुल पाये। एसडीएम कालसी युक्ता मिश्र का कहना है कि लोनिवि, पीएमजीएसवाई को तत्काल मार्गों को खोलने के लिए निर्देश दिए गये हैं। जिसके चलते सभी मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी लगाई गयी है।

केदारनाथ में कितनी देर बाधित रही बिजली बताए यूपीसीएल

देहरादून। केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों के लिए ऊर्जा निगम को नियमित रूप से पूरे समय बिजली उपलब्ध करानी होगी। बिजली बाधित होने से केदारनाथ में कितनी देर काम बाधित रहा, इसकी नियमित रूप से मुख्य सचिव ऑफिस को रिपोर्ट भेजनी होगी। यूपीसीएल को बताना होगा कि कितनी देर बिजली आपूर्ति बाधित रही।

सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव डॉ एसएस संधु ने केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों को यूपीसीएल को निर्बाध एवं स्थिर बिजली उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। अधिकारियों को बताना होगा कि पावर कट से कितनी देर काम बाधित रहा, इसकी भी नियमित रिपोर्ट भेजनी होगी। सितम्बर से बिजली पोल और अन्य उपकरणों को भी स्थापित किया जाए।

मुख्य सचिव ने केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने को एक सिस्टम तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि केदारनाथ के विपरीत कठोर वातावरण के अनुरूप आवरण सामग्री का उपयोग हो। इसके लिए श्रेष्ठतम तकनीक, विशेषज्ञों एवं सामग्री का उपयोग किया जाए। सेंट्रल स्ट्रीट के कार्यों में तेजी लाने को सभी भवनों की डीपीआर अगले एक सप्ताह में तैयार किए जाने के निर्देश दिए। डीएम रूद्रप्रयाग को सभी साईट्स को जल्द से जल्द ठेकेदारों को उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने आवश्यक निर्माण सामग्री की कमी पर नाराजगी जताई। कहा कि सभी कार्यों को निर्धारित समय से पूरा करने को जरूरी निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

उचित संख्या में कुशल श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निर्माण सामग्री की कमी होते ही तत्काल उच्च स्तर पर सूचना दी जाए।

100 ग्राम कीड़ाजड़ी के साथ एक गिरफ्तार, एक फरार

चमोली : पूर्वी पिण्डर वन रेंज देवाल के वन कर्मियों की संयुक्त गस्त के दौरान 100 ग्राम कीड़ाजड़ी बरामद हुई है। जबकि अज्ञात आरोपी मौसम का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब हो गया। बदरीनाथ वन प्रभाग के पूर्वी पिण्डर रेंज देवाल के वन क्षेत्राधिकारी हरीश थपलियाल ने बताया कि गत बुधवार को वन आरक्षी प्रमोद देवराड़ी, कनक सिंह एव बलबीर सिंह पिण्डर पार चतुर्थ ब्लॉक के कोकिनाखाल खरख के आस पास गस्त कर रहे थे कि उन्हें संदिग्ध अवस्था मे व्यक्ति को वहां पर देखा। जिस पर उन्हें रुकने को कहा गया लेकिन वह व्यक्ति भागने लगा। वन आरक्षी प्रमोद कुमार उन्हें पकड़ने को दौड़े, लेकिन वह व्यक्ति उन्हें धकेलते हुए भागने में सफल हो गया। इस दौरान प्रमोद देवराड़ी चोटिल भी हो गए। बताया कि उक्त व्यक्ति का एक बैग वहां पर छूट गया है। तलासी पर बैग से एक डिजिटल तराजु एव 100 ग्राम कीड़ाजड़ी प्राप्त हुई है। इस पर अज्ञात के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम एव उत्तराखंड वन उपवज नियमावली की सुसंगत धाराओं मे मामला पंजीकृत कर लिया गया है। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत मिलने पर कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

विकासनगर। मोदी सरनेम मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर उत्साहित कांग्रेसियों ने विकासनगर और हरबर्टपुर में जमकर जश्न मनाया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं और यह राहुल गांधी, कांग्रेस की ही नहीं बल्कि असत्य पर सत्य की जीत है। कहा कि नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत है।कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाये जाने का समाचार मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर फैल गयी। कांग्रेस कार्यकर्ता विकासनगर कार्यालय स्थित तिलक भवन पर एकत्रित होने शुरू हो गये। जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तिलक भवन से लेकर पहाड़ी गली चौक तक विजय जुलूस निकाला।

एक नजर

कपड़े के थैले के प्रयोग करने को किया प्रेरित

उत्तरकाशी : सेवानिवृत्त शिक्षक नारायण सिंह राणा पर्यावरण को बचाने के लिए पॉलीथिन के इस्तेमाल को रोकने के लिए जागरूकता फैला रहे हैं। स्कूली छात्रों और स्थानीय लोगों को लगातार बता रहे हैं कि किस कदर पॉलीथिन से पर्यावरण को भारी क्षति पहुंच रही है। इसके लिए वह लोगों को पर्यावरण संरक्षण को भी प्रेरित कर रहे हैं। इसकी बजाय लोगों के बीच कपड़ों के थैले के प्रयोग पर जोर दे रहे हैं।मंजकोट धनारी के रहने वाले सेवानि. शिक्षक नारायण सिंह ने बताया कि वह पिछले पांच-छह वर्षों से निरंतर स्कूलों में जाकर जागरूक के प्रयोग के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत कर रहे हैं। बताते हैं कि जागरूक का प्रयोग रुक जाए तो देश से 80 फीसदी गंदगी साफ हो सकती है। वह खुद कपड़ों के बैग का इस्तेमाल करते हैं और जहां भी जाते हैं लोगों को कपड़ा बैग के इस्तेमाल को प्रेरित करते हैं। राइंका उत्तरकाशी, राइंका जोशियाड़ा, राइंका गंगोरी, राइंका मातली आदि स्कूलों में वह काफी वर्षों से इसके दुष्प्रभावों की जानकारी देते आ रहे हैं। (एजेंसी)

खनन माफिया ने जीएमवीएन कर्मी से की मारपीट

विकासनगर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत भाउवाला क्षेत्र में खनन से जुड़े लोगों ने जीएमवीएन के कर्मी की जमकर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि खनन माफिया के लोग खनन सामग्री से भरा ट्रैक्टर ट्राली लेकर निकल रहे थे। जिसे देखकर जीएमवीएन कर्मी ने रोक दिया। जिससे खनन माफिया बौखला गया। जिस पर खनन माफिया ने ट्रैक्टर ट्राली छुड़ाने के साथ ही जीएमवीएन कर्मी की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि इस दौरान कर्मी के कपड़े तक खनन माफिया ने फाड़ डाले। बताया जा रहा है कि मारपीट में जीएमवीएन कर्मी बुरी तरह से घायल हो गया। जिसे अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। थानाध्यक्ष सेलाकुई मोहन सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से जब उन्हे मारपीट का पता चला तो जीएमवीएन कर्मी से बातचीत की।

रानीपोखरी में कांग्रेस ने किया भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ हल्ला बोला है। वे उत्तराखंड समेत देश में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न को लेकर नाराज हैं। उन्होंने भाजपा सरकार की कानून व्यवस्था को फेल बताया और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ता श्रीदेव सुमन चौक जौलीग्रांट में एकत्रित हुए। वहां उन्होंने भाजपा की प्रदेश व केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि पूरे प्रदेश और देश में कानून व्यवस्था फेल है। भाजपा राज में आए दिन महिलाओं के साथ उत्पीड़न किया जा रहा है। प्रदेश में अंकिता भंडारी हत्याकांड सहित तमाम मामलों में सरकार पीड़ितों को न्याय देने में फेल रही है। नगर अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह करतार ने कहा कि बीते रोज देहरादून में एक महिला का दुराचार और हत्या का मामला सामने आया है। जगह–जगह वर्तमान सरकार के लचीले कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही है, लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष अंशुल त्यागी ने कहा कि देश में दंगे हो रहे हैं, सरकार चुप्पी साधे बैठी है। प्रदेश में भाजपा के नेता महिलाओं के साथ दुर्व्यहार कर रहे हैं, मगर सरकार का कोई आदमी कुछ बोलने तैयार नहीं है। भाजपा

21अगस्त से 56 दिनों का निशुल्क भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

देहरादून। ले0 कर्नल जी0एस0चन्द (अ0प्रा0) जिला सैनिक कल्याण पुर्नवास अधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि गढ़वाल मंडल जनपद देहरादून सैनिकों के पुत्रों को सेना/नौ सेना/वायुसेना एवं पुलिस में भर्ती हेतु 21 अगस्त 2023 से 56 दिनों का निशुल्क भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, देहरादून द्वारा किया जायेगा।

जनपद देहरादून के प्रशिक्षणार्थियों का चयन 14 अगस्त से 19 अगस्त 2023 तक भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर राज्य सैनिक विश्राम गृह, 15 सी कालिदास मार्ग, हाथीबड़कला, देहरादून में किया जायेगा,

दून अस्पताल में मरीजों से अभद्रता के आरोपों पर प्राचार्य खुद पहुंचे अस्पताल

देहरादून। दून अस्पताल में इमरजेंसी का सिस्टम सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। यहां पर कई विभागों के डॉक्टर मरीजों से अभद्रता कर रहे हैं। मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों, जनप्रतिनिधियों से भी अभद्रता की जा रही है। कई पीजी डॉक्टरों, जेआर पर अभद्रता के आरोप लगे हैं, प्राचार्य एवं एमएस तक शिकायत पहुंचने पर कार्रवाई की बात कही गई है। प्राचार्य ने करीब दो घंटे इमरजेंसी में बैठक मरीज देखे। उन्होंने डॉक्टरों का सख्त हिदायत दी। संबंधित डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। गुरुवार को दून अस्पताल की इमरजेंसी में रामलीला कमेटी के संस्थापक संतराम शर्मा के इलाज को डॉक्टरों पर परिजनों से अभद्रता एवं देरी के आरोप लगे हैं। गुरुवार दोपहर को उन्हें परिजन सांस एवं पेट में ज्यादा समस्या की शिकायत लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि एक डॉक्टर ने चिल्लाकर आईसीयू नहीं होने एवं मरीज को कुछ होने पर उनकी जिम्मेदारी नहीं होने की बात कह मरीज ले जाने को कह दिया। डॉक्टर ने फोन पर भी किसी से बात करने से मना कर दिया। विधायक खजानदास के प्रतिनिधि आशीष नागरथ ने कई वरिष्ठ डॉक्टरों को फोन कर व्यवस्था के लिए अनुरोध किया। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एनएस बिष्ट ने शिकायत पर उनकी कुछ जांचें की।

उत्तराखंड में बढ़ रहे हैं महिला अपराध—माहरा

देहरादून। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में माहरा ने कहा कि एनसीआरबी के आंकडों के मुताबिक प्रदेश में बलात्कार, छेड़छाड़ सहित दूसरे महिला लगातार अपराध बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि अंकिता हत्याकांड से लेकर, नागालिग लड़कियों के साथ रेप जैसे मामले में तक भाजपा महिला मोर्चा की नेता कुछ नहीं कहती हैं। जबकि उनके भाषण के एक छोटे से अंश को लेकर वो सड़कों पर उतर गईं। अब देहरादून में मंत्री आवास के सामने महिला का शव मिलने पर भी महिला नेता चुप हैं। इसी तरह हरिद्वार में एक पूर्व मंत्री का करीबी भाजपा पदाधिकारी के खिलाफ, लोगों द्वारा प्रदर्शन किए जाने के बाद मुकदमा दर्ज हो पाया। इससे साफ है कि भाजपा के लिए बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा सिर्फ दिखावे भर के लिए है। इस मौके पर उपाध्यक्ष मथुरादत्त जोशी, मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी भी उपसथित हुईं।माहरा ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार कांग्रेस के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बदले की भावना के तहत कार्यवाई कर रही है। इसीक्रम में पुरोला नगर पंचायत अध्यक्ष हरिमोहन नेगी को हटाया गया है। उन्होंने कहा कि नेगी ने कोविड के दौरान परिचितों के निजी वाहनों के जरिए भी लोगों तक मदद पहुंचाई, इसके लिए उनसे नगर पंचायत के बजट से तेल भरवाने की गलती हुई है। इससे पहले उत्तरकाशी के जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजल्वाण, चमोली जिला पंचायत रजनी भंडारी, श्रीनगर नगर पालिका अध्यक्ष पूनम तिवारी और खटीमा ब्लॉक प्रमुख रणजीत सिंह नामधारी को भी इसी तरह हटाया जा चुका है।

जमीन बेचने की डील कर 8.55 लाख हड़पने का आरोप

देहरादून। जमीन बेचने की डील कर 8.55 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। तहरीर पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एसओ प्रेमनगर पीडी भट्ट ने बताया कि नवीन कुमार निवासी पूर्वी नाथनगर, ज्वालापुर ने तहरीर दी। कहा कि उन्होंने 17 जुलाई 2017 को झाझरा स्थित एक प्लाट खरीदने की डील की। डील में प्रवीन कुमार, उनकी पत्नी भावना निवासी निवासी नाथनगर, ज्वालापुर और सुनील कुमार निवासी प्रेमनगर शामिल रहे।

झमाझम बारिश से कई जगह जलभराव

विकासनगर। पछुवादून, जौनसार–बावर में गुरुवार रात से झामाझम बारिश से जन जीवन अस्त–व्यस्त हो गया। बारिश के कारण कई जगह जल भराव हुआ तो कई जगहों सड़कों पर मलबा आ गया।

विकासनगर में शुक्रवार को तापमान 26.5 डिग्री तथा न्यूनतम 24.8 डिग्री पर पहुंच गया। विकासनगर में 54 मिलीमीटर पानी बरसा। शुक्रवार को यमुना का जल स्तर खतरे के निशान से 31 सेमी नीचे 455.06 मीटर रहा, जबकि टोस का बहाव खतरे के निशान से 75 सेमी नीचे 644 मीटर पर रहा।

राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने का कांग्रेस ने मनाया जश्न

देहरादून। राहुल गांधी की संसद सदस्यता सुप्रीम कोर्ट से बहाल होने का सभी कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया है। फैसले के बाद कांग्रेस भवन में ढोल नगाड़ों की थाप के बीच मिठाई बांटी गई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने प्रेस वार्ता के जरिए इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि जो लोग आजाद हिन्दुस्तान में सांस लेना चाहते हैं, उनकी उम्मीदों को इस फैसले से पंख लगे हैं। उन्होंने कहा कि अब सबकी नजर लोकसभा अध्यक्ष पर टिकी हुई है, देखना है कि वो राहुल गांधी की सदस्यता बहाल करते हैं कि नहीं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस फिर न्याय के लिए जनता की अदालत में जाएगी। इस मौके पर कांग्रेस नेता मथुरा दत्त जोशी, गरिमा मेहरा दसौनी, वैभव वालिया, लक्ष्मी अग्रवाल, शिवा वर्मा, डॉ. जसविंदर सिंह गोगी उपस्थित हुए।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने की दृष्टिपत्र 25 संकल्प 2022 के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

देहरादून। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने दृष्टिपत्र 25 संकल्प 2022 के लक्ष्यों के समयबद्धता से शीर्ष प्राथमिकता के साथ प्रभावी त्रिय़ान्वयन हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। सचिवालय में इस सम्बन्ध में बैठक लेते हुए एसीएस राधा रतूड़ी ने विभिन्न विभागों से दृष्टिपत्र 25 संकल्प 2022 के तहत किये जाने वाले कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को सरलीकृत, त्वरित तथा प्रभावी कार्यशैली अपनाने की सख्त हिदायत दी।बैठक में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग ने जानकारी दी कि दृष्टिपत्र 25 संकल्प 2022 के तहत प्रदेश के समस्त जनपदों में उत्तराखण्ड ऑर्गेनिक ब्रांड निर्माण के 51 आउटलेट संचालित किये जा चुके हैं तथा 24 आउटलेट संचालित किये जाने की प्रक्रिया गतिमान है। पर्यटन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि साहसिक टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड के माध्यम से 20 चिहनित स्थानों में से साहसिक पर्यटन के लिए 09 स्थानों पर कार्यवाही गतिमान है। 45 नए हॉटस्पॉट पर फोकस के माध्यम से पर्यटन के क्षेत्र में आमदनी बढ़ाने, हर राज्य की राजधानियों तथा दुनियाभर की प्रमुख राजधानियों में मिशन उत्कृष्ट देवभूमि शुरू करने जैसे बिन्दुओं पर कार्य चल रहा है।

वन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि ईकों टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड के माध्यम से 20 दर्शनीय स्थलों को पर्यावरण केंद्रित पर्यटन के हॉटस्पॉट के रूप में विकसित करने की कार्य योजना पर कार्यवाही चल रही है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि सड़क किनारों की ढलानों के स्थिरीकरण हेतु मिशन हिमावंत के सम्बन्ध में प्रथम चरण में वित्तीय वर्ष 2022–23 में सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 56 कार्यो हेतु 3668 करोड़ रूपये की कार्ययोजना अनुमोदित हो चुकी है तथा 2148 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग ने बताया कि सड़कों को कंक्रीट सड़कों में अपग्रेड किये जाने के संबंध में राज्य में नगर निगम क्षेत्रों के शहरी मार्गों के तहत पीडब्लयूडी के स्वामित्व वाली 3.75 मीटर की चौड़ाई से अधिक चौड़े मार्गों पर चरणबद्ध तरीके से कंक्रीट /वाइट टोपिंग से अपग्रेड करने हेतु नीति निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने जानकारी दी कि उत्तराखण्ड के सभी गांवों को 4जी/5जी मोबाइल नेटवर्क एवं हाई स्पीड ब्राडबैंड एवं फाइबर इंटरनेट से जोड़ने के सम्बन्ध में प्रस्तावित 1849 स्थानों में से 1691 स्थानों को कवर कर लिया गया है।

कोटद्वार से देहरादून के लिए चलाई जाएं रात्रि बस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नागरिक मंच ने कोटद्वार से देहरादून के लिए रात्रि बस सेवा शुरू करने की मांग की है। कहा कि इससे लोगों को आवाजाही में काफी सुविधा मिलेगी।

समस्या के संबंध में नागरिक मंच ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण को ज्ञापन दिया। मंच के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी व सचिव अतुल भट्ट ने कहा कि कोटद्वार से देहरादून के लिए हर रोज सैकड़ों लोग यात्रा करते हैं। लेकिन, शाम छः बजे के बाद उन्हें आवाजाही के लिए रोडवेज की बस उपलब्ध नहीं हो पाती। कहा कि जनता के हित को देखते हुए कोटद्वार से देहरादून के लिए रात्रि बस सेवा शुरू की जानी चाहिए। इस दौरान मंच ने कोटद्वार से दिल्ली के लिए एसी बस सेवा शुरू करने की भी मांग उठाई। कहा कि इससे गढ़वाल के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

कोटद्वार में दो धड़ों में बंटी दिखी कांग्रेस, एक मुद्दे को लेकर अलग-अलग फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आगामी लोकसभा चुनाव में जीत का दावा करने वाली कांग्रेस कोटद्वार शहर में दो धड़ों में बंटती हुई नजर आ रही है। हालत यह है कि शुक्रवार को एक ही मुद्दे को लेकर महानगर व जिला कार्यकारिणी ने अलग-अलग स्थानों पर पुतला दहन किया। पूरे मामले को पार्टी की अंदरूनी कलह के नजरिए से देखा जा रहा है।

शुक्रवार को तहसील तिराहे के समीप जिलाध्यक्ष विनोद डबराल व महिला जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल के नेतृत्व में बदहाल कानून व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों को लेकर सरकार का पुतला दहन किया गया। वहीं, इसी मुद्दे को लेकर महानगर अध्यक्ष संजय मित्तल के नेतृत्व में भी नगर में पुतला दहन किया गया। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल व रश्मि पटवाल के साथ पुतला दहन में महिला महानगर अध्यक्ष सुधा असवाल, ब्लॉक अध्यक्ष सुनीता बिष्ट, पार्षद विपिन डोबरियाल, अमित राज, प्रवेश रावत सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कोटद्वार संजय मित्तल के साथ पुतला फूंकने वालों में यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय रावत, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, मोहन सिंह नेगी, महावीर सिंह रावत, विजय माहेश्वरी, सुधा असवाल, प्रीति देवी, सुदर्शन रावत, विजय नारायण, जनक भाटिया, सुनील दत्त सेमवाल, राजेंद्र सिंह असवाल, जितेंद्र, आशुतोष वर्मा, दमन दीप, अंकुश घिल्डियाल, तनिष्क, इंद्रीश, सुरेंद्र सिंह, रजनीश उप्पल आदि शामिल थे। एक समय में एक ही मुद्दे को लेकर दो अलग-अलग स्थानों पर हुए पुतला दहन ने कांग्रेस के बीच चल रही अंदरूनी कलह को उजागर कर दिया है। जबकि, कुछ दिन पूर्व कोटद्वार पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन की मजबूती के लिए आगे आने की अपील की थी। लेकिन, शायद पदाधिकारी प्रदेश अध्यक्ष के आदेश को ही भूल गए। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने बताया कि प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर उनके द्वारा सरकार का पुतला दहन किया गया है। जबकि, महानगर अध्यक्ष संजय मित्तल ने बताया कि पार्टी में जिला व महानगर कार्यकारिणी एक समान है। महानगर के पास भी पुतला दहन का संदेश पहुंचा था।

कोटद्वार तहसील तिराहे के समीप जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में पुतला दहन करते कांग्रेसी

झण्डचौक में नगर अध्यक्ष संजय मित्तल के नेतृत्व में पुतला फूंकते हुए कांग्रेसी।

पूर्व में भी दिख चुका है मनमुटाव

कांग्रेस की जिला व महानगर कार्यकारिणी के बीच चल रहा मनमुटाव पूर्व में भी नजर आ चुका है। कई कार्यक्रमों को अलग-अलग किया जाता है। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत के जश्न के समय भी दोनों कार्यकारिणी के सदस्यों ने अलग-अलग होकर खुशी जाहिर की थी। वहीं, पदाधिकारियों के बीच चल रहे मनमुटाव से कई कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कार्यकर्ता स्वयं नहीं समझ पा रहे की आखिर पार्टी में यह चल क्या रहा है।

महिलाओं को ठगने वाला मास्टर माइंड बिहार के नवादा से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : पौड़ी पुलिस को महिलाओं की ज्वेलरी चमका कर धोखा देने वाले एक गिरोह के मास्टर माइंड और लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी बदमाश को बिहार के नवादा से गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी पहाड़ी क्षेत्रों में आभूषण चमकाने के नाम पर लोगों से ठगी करता था। इस मामले में पुलिस ने पहले ही गिरोह के तीन आरोपियों को जेल भेज दिया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे ने बताया कि बीते साल 2022 में थाना रिखणीखाल क्षेत्र में एक गिरोह ने पहाड़ के ग्रामीण क्षेत्रों में आभूषणों को चमकाने का काम शुरू किया। गिरोह जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों के आभूषणों को नया बनाने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। इस मामले में थाना सतपुली के दुधारखाल निवासी ऋतु नेगी और रिखणाखाल निवासी हीरा सिंह ने तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने आभूषण चमकाने के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने गिरोह की धरपकड़ शुरू कर दी। पुलिस ने गिरोह के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। जिसमें खंतार मंडल पुत्र जग्गू मंडल के साथ ही चन्दन पुत्र अशोक शाह व वीरेन्द्र शाह पुत्र स्व. सिकन्दर शाह शामिल थे। ये सभी आरोपी कटिहार बिहार के रहने वाले थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ये सभी गिरोह में रहते हैं। जिसमें कुल 4 लोग शामिल हैं। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद न्यायालय ने सभी को जेल भेज दिया था। जबकि धरपकड़ की सूचना मिलते ही गैंगलीडर पवन सोनी फरार हो गया था।

एसएसपी पौड़ी श्वेता चौबे ने मास्टर माइंड की गिरफ्तारी के लिए उस पर 5 हजार का इनाम रखा। साथ ही पुलिस उसकी तलाश में भी जुटी रही। एसएसपी ने टीम गठित कर मामले की जांच एसआई रियाज अहमद को सौंपी। टीम ने सर्विलांस की मदद से इनामी बदमाश पवन सोनी को माल गोदाम मोहल्ला, नवादा, बिहार से गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा अब आरोपी को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। टीम में एसआई कृपाल सिंह व सिपाही सुशील कुमार शामिल रहे।

बिडोली पंपिंग योजना से गांवों को जोड़ा जाए

पौड़ी : खिर्सू ब्लाक ग्राम सभा कलियासौड़ के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर ग्राम सभा में सम्मलित सभी गांवों को बिडोली पंपिंग योजना से जोड़ने की मांग की। ग्राम प्रधान सावित्री देवी, कलम सिंह नेगी, अचला नंद चमोली, राकेश चमोली, ज्योति चमोली का कहना है कि पूर्व में जब डिक्वाल गांव पंपिंग पेयजल योजना बनी तो उससे भी ग्राम सभा को वंचित रखा गया है। उनका कहना है कि बिडोली पंपिंग पेयजल योजना ग्राम पंचायत कलियासौड़ की सीमा से ही प्रारंभ हो रही है। ऐसे में ग्राम सभा में शामिल ग्राम हैडी, कलियासौड, ढामक, चोपड़ा, कालीगढ़, अरखुन, भटटीसेरा गांवों को बिडोली पंपिंग पेयजल योजना से जोड़ा जाना जरूरी है जिससे इन गांवों में पेयजल की समस्या को दूर किया जा सके।

गीत के माध्यम से किया जल संरक्षण को प्रेरित

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लाक के पल्ली मल्ली गांव में जिला उद्योग केंद्र द्वारा आयोजित कार्यशाला में परम के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक सही सलाह का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने गीत आओ बचाएं जल तभी बचेगा कल के माध्यम से जल संरक्षण के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। परम के योगंबर पोली ने बताया कि सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के निर्देश पर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना सहित कृषि विभाग, उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों से साझा की गई। परम के दल में रघुवीर पंवार, नीरज नेगी, सुधांशु, अभिनव, प्रीति रावत, अनामिका, दीपक आदि शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान सहायक प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र एमएस रावत, सहायक कृषि अधिकारी शोभित भारती, प्रधान जयवीर रावत आदि शामिल थे।

स्वस्थ रहने के लिए जीवन में अपनाएं जड़ी-बूटी

धूमधाम के साथ मनाया गया पतंजलि योगपीठ के संस्थापक बाल कृष्ण का जन्मदिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत स्वाभिमान न्यास व पतंजलि किसान सेवा समिति द्वारा शुक्रवार को पतंजलि योगपीठ के संस्थापक आचार्य बाल कृष्ण के जन्मदिवस को जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान सदस्यों ने स्वस्थ जीवन जीने के लिए जीवन में जड़ी-बूटी को अपनाने की अपील की।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मंडल प्रभारी अमित सजवाण व जिला प्रभारी दिनेश जुयाल ने उपस्थित लोगों को योग और आयुर्वेद की जानकारी दी और लोगों से योग को अपने जीवन में शामिल करने का आग्रह किया।

डॉ. चंद्रमोहन बड़थ्वाल और वैद्य सत्येंद्र कुमार ने गिलोय, एलोवेरा, आंवला, नींबू, अश्वगंधा, पत्थरचट्टा, अजवाइन, हरसिंगार, गुड़मार, नीम, तुलसी आदि औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर इन सभी पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम में धीरजधर बछवाण, धीरेंद्र सिंह रावत, समाजसेवी दलजीत सिंह, सुखदेव शास्त्री, चंद्र किशोर असवाल, विजय भाटिया, कमल थापा, जितेंद्र काला, विनोद धूलिया, राखी नौटियाल, सरिता रावत, रजनी अग्रवाल, आशा रावत, उषा असवाल, बिना रावत, रेनू रावत, रितु, सुशील चौहान आदि मौजूद रहे।

योग समिति ने किया रक्तदान

आचार्य बालकृष्ण के जन्म दिवस पर महर्षि कण्व योग समिति की ओर से पौध रोपण व रक्तदान शिविरि का आयोजन किया गया। सदस्यों ने राजकीय बेस चिकित्सालय में रक्तदान करते हुए आमजन से भी इस मुहिम में जुड़ने की अपील की। इस दौरान सात यूनिट रक्तदान किया गया। इस मौके पर नीरज नेगी, सोहनलाल भारद्वाज, सुनीता नेगी, सरोज गौड़, सुनीता रावत, रुचित कंडवाल, सुनीता सजवान, कांति बिष्ट, ललिता आदि मौजूद रहे।

राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में रक्तदान करते योग समिति के सदस्य

मालन नदी के वैकल्पिक मार्ग से शुरू हुई भारी वाहनों की आवाजाही

मालन नदी का पुल ढहने के बाद ह्यूम पाइप से बनाया गया है वैकल्पिक मार्ग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मालन नदी का पुल ढहने के बाद तल्ला मोटाढांक बेलगिरी आश्रम-हल्दूखाता के मध्य ह्यूम पाइप डालकर बनाए गए वैकल्पिक मार्ग से भारी वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। शुक्रवार को सिगड्डी के जशोधरपुर औद्योगिक आस्थान व सिगड्डी ग्रोथ सेंटर के लिए माल लेकर जाने वाले वाहन भी इसी वैकल्पिक मार्ग से होते हुए फैक्ट्री तक पहुंचे। मार्ग पर आवाजाही शुरू होने से क्षेत्रवासियों को काफी राहत मिली।

मालन नदी का पुल ढहने के बाद क्षेत्रवासियों के समक्ष आवाजाही का संकट खड़ा हो गया था। प्रशासन की ओर से कण्वाश्रम-ध्रुवपुर मार्ग को वैकल्पिक मार्ग के रूप में खोला गया। लेकिन, उक्त मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही थी। सबसे बड़ी चिंता सिगड्डी के जशोधरपुर औद्योगिक आस्थान व सिगड्डी ग्रोथ सेंटर तक कच्चा माल पहुंचाने की हो रही थी। इकाईयों को प्रतिदिन लाखों का नुकसान हो रहा था। सिडकुल निर्माता संघ की ओर से स्थानीय प्रशासन से फैक्ट्री में माल की आवाजाही के लिए व्यवस्थाएं बनाने की मांग की जा रही थी। प्रशासन ने तल्ला मोटाढाक-बेलगिरी आश्रम-हल्दूखाता पर मालन नदी में ह्यूम पाइप डालकर वैकल्पिक मार्ग बनाने का निर्णय लिया। लेकिन, अधिक बारिश होने के कारण नदी के जलस्तर में कमी नहीं हो रही थी। लगातार प्रयास के बाद गुरुवार को लोक निर्माण विभाग ने मार्ग पूरी तरह तैयार कर लिया था। शुक्रवार सुबह से मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गई। वैकल्पिक मार्ग खुलने से क्षेत्रवासियों को कण्वाश्रम-ध्रुवपुर मार्ग से कई किलोमीटर घूमकर नहीं जाना पड़ेगा।

मालन नदी पर बने वैकल्पिक मार्ग से आवाजाही करते वाहन

महिलाओं को ठगने वाला मास्टर माइंड बिहार के नवादा से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : पौड़ी पुलिस को महिलाओं की ज्वेलरी चमका कर धोखा देने वाले एक गिरोह के मास्टर माइंड और लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी बदमाश को बिहार के नवादा से गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी पहाड़ी क्षेत्रों में आभूषण चमकाने के नाम पर लोगों से ठगी करता था। इस मामले में पुलिस ने पहले ही गिरोह के तीन आरोपियों को जेल भेज दिया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे ने बताया कि बीते साल 2022 में थाना रिखणीखाल क्षेत्र में एक गिरोह ने पहाड़ के ग्रामीण क्षेत्रों में आभूषणों को चमकाने का काम शुरू किया। गिरोह जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों के आभूषणों को नया बनाने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। इस मामले में थाना सतपुली के दुधारखाल निवासी ऋतु नेगी और रिखणाखाल निवासी हीरा सिंह ने तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने आभूषण चमकाने के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने गिरोह की धरपकड़ शुरू कर दी। पुलिस ने गिरोह के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। जिसमें खंतार मंडल पुत्र जग्गू मंडल के साथ ही चन्दन पुत्र अशोक शाह व वीरेन्द्र शाह पुत्र स्व. सिकन्दर शाह शामिल थे। ये सभी आरोपी कटिहार बिहार के रहने वाले थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ये सभी गिरोह में रहते हैं। जिसमें कुल 4 लोग शामिल हैं। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद न्यायालय ने सभी को जेल भेज दिया था।

जबकि धरपकड़ की सूचना मिलते ही गैंगलीडर पवन सोनी फरार हो गया था। एसएसपी पौड़ी श्वेता चौबे ने मास्टर माइंड की गिरफ्तारी के लिए उस पर 5 हजार का इनाम रखा। साथ ही पुलिस उसकी तलाश में भी जुटी रही। एसएसपी ने टीम गठित कर मामले की जांच एसआई रियाज अहमद को सौंपी। टीम ने सर्विलांस की मदद से इनामी बदमाश पवन सोनी को माल गोदाम मोहल्ला, नवादा, बिहार से गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा अब आरोपी को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। टीम में एसआई कृपाल सिंह व सिपाही सुशील कुमार शामिल रहे।

पुष्कर सिंह रावत बने उक्रांद महानगर अध्यक्ष

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से महानगर कार्यकारणी का गठन किया गया है। इस दौरान पुष्कर सिंह रावत को अध्यक्ष व विनोद चौधरी को महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

मवाकोट स्थित एक बारात घर में उत्तराखंड क्रांति दल की बैठक आयोजित की गई। दल के केंद्रीय अध्यक्ष डा. शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी पुष्कर सिंह रावत को दी गई। इस दौरान विनोद चौधरी को महानगर उपाध्यक्ष व सर्वेंद्र को महासचिव नियुक्त किया गया। कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए धरातल पर कार्य किया जा रहा है। कहा कि दल का लक्ष्य भू-कानून का लागू करना, मूल निवास 1950 को धरातल पर उतारना, जल जंगल जमीन से संबंधित जनता के अधिकारों को वापस दिलाने है। कोटद्वार शहर में भी कण्वाश्रम को विश्व पटल पर पहुंचाने, मोटर नगर में आधुनिक बस अड्डे का निर्माण करवाने व लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण करवाने के लिए उक्रांद लगातार संघर्ष करता रहेगा। इस मौके पर केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रवेश चंद्र नवानी, रमेश कोठारी, सर्वेंद्र काला, विनोद चौधरी, श्रवण सिंह रावत, दीपक कुकरेती, भारत मोहन काला, मेहरबान सिंह रावत, नरेंद्र सिंह नेगी, चंद्रवीर सिंह नेगी, बलवंत सिंह नेगी, मनोज थपलियाल, कैलाश जोशी, हरेंद्र सिंह रावत, अनिल कुमार, बालम सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड क्रांति दल के नवनियुक्त पदाधिकारी

गढ़वाल विवि में आज से बनेगें वोटर आईडी कार्ड

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर में शनिवार से मतदान पहचान पत्र बनवाएं जाएंगे। इस संदर्भ में गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एमएस नेगी ने बताया कि जिलाधिकारी पौड़ी एवं निर्वाचन अधिकारी डा. आशीष चौहान के आदेश पर 5 अगस्त व 7 अगस्त सोमवार को गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर के स्वास्थ्य केन्द्र में मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए कैंप आयोजित किया जाएगा। कहा कि 18 वर्ष पूर्ण करने वालों को अपना नाम निर्वाचक नामावली में पंजीकृत करवाने के लिए आधार कार्ड एवं एक पासपोर्ट फोटो अपने साथ लानी होगी। उन्होंने नव मतदाताओं से बड़ी से बड़ी संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सके। (एजेंसी)

फोन छीनकर भाग रहे बदमाशों को पकड़ा, पुलिस के किया हवाले

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : क्षेत्र में पिछले कई माह से फोन छीनकर भागने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। शुक्रवार सुबह एक जिम ट्रेनर से मोबाइल छीनकर भाग रहे दो युवकों को क्षेत्रवासियों ने पकड़ लिया। दोनों युवओं को पुलिस के हवाले किया गया है।

शुक्रवार सुबह दुर्गापुरी निवासी विकास नेगी घर से जिम के लिए जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से एक बाइक में सवार दो युवक आए और उसके हाथ में पकड़ा मोबाइल फोन छीन फरार हो गए। विकास ने जिम में मौजूद अपने दोस्तों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद यह सभी युवक फोन लूटने वालों की तलाश में निकल गए। भाबर क्षेत्र के समाज सेवी गौरव जोशी ने बताया कि झंडाचौक के समीप दोनों युवक तेज रफ्तार बाइक से सिद्धबली की ओर जाते हुए दिखाई दिए। बताया कि उन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ युवकों का पीछा करते हुए उन्हें बेस चिकित्सालय के समीप दबोच लिया।

दोनों बदमाशों की जेब से लूटा गया फोन भी बरामद हो गया था। दोनों ने मोबाइल पर लगी सिम को कहीं फेंक दिया था। पूछताछ में पता चला कि दोनों युवक दिल्ली के रहने वाले हैं और शहर में फोन लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। दोनों युवकों ने 17 जुलाई को भी क्षेत्र में महिलाओं से फोन छीनने की बात कही। गौरव ने बताया कि दोनों युवकों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों से पूछताछ की जा रही है।

जिम ट्रेनर का मोबाइल छीनकर भागने वाले आरोपी

जिलाधिकारी विनीत तोमर ने विकासखंड स्याल्दे के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का किया भ्रमण

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी विनीत तोमर ने विकासखंड भिकियासैंण एवं विकासखंड स्याल्दे के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण/निरीक्षण किया। शुक्रवार को सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने तहसील भिकियासैंण का निरीक्षण किया। जहाँ जिलाधिकारी ने दोतालक कोषागार में रखे स्टांप तथा बहुमूल्य वस्तुओं का रिकॉर्ड चेक किया।

जिलाधिकारी ने तहसील के विभिन्न पटलों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश संबंधितों को दिए। तहसील में बने आपदा कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया तथा स्वयं आपदा कंट्रोल रूम का नंबर डायल करके व्यवस्थाओं को परखा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आपदा सीजन में कंट्रोल रूम को 24 घंटे सुचारू रखा जाए तथा प्राप्त सूचना पर त्वरित एक्शन लिया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने ब्लॉक मुख्यालय भिकियासैंण का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने खंडविकास अधिकारी से विकासखंड की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि विधायक निधि तथा वित्त आयोग की आवंटित धनराशि का समयबद्धता के साथ उपयोग किया जाए। उन्होंने बीडीओ को निर्देश दिए कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ जनता को प्राप्त हो इसके लिए सभी सहायक विकास अधिकारियों एवं पचायत सचिव तथा ग्राम विकास अधिकारियों की इस संबंध में लगातार बैठके करते रहे एवं सभी योजनाओं की मॉनिटरिंग भी करते रहें।

महाविद्यालय में छात्रों ने कुलपति का पुतला जलाया

पिथौरागढ़। नगर के एलएसएम महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं ने एसएसजे विश्व विद्यालय के कुलपति का पुतला जलाया। छात्र–छात्राओं का कहना है कि विवि के अस्तित्व में आए तीन साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन व्यवस्थाओं की बदहाली से छात्र–छात्राएं परीक्षा परिणाम से लेकर ऑनलाइन पोर्टल में आवेदन करने के लिए भी जूझ रहे हैं। शुक्रवार को महाविद्यालय परिसर में कवींद्र चंद के नेतृत्व में छात्र–छात्राएं एकत्र हुए।

इस दौरान उन्होंने कुलपति के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और पुतला जलाया। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम में त्रुटियों से छात्र–छात्राएं परेशान हैं। कई छात्रों के परीक्षा परिणाम में फेल, इनकंप्लीट, एबी दिखाई दे रहा है।

ग्रीन वैली स्कूल में पुस्तक मेले का शुभारंभ हुआ

पिथौरागढ़। नगर के ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल में पुस्तक मेले का शुभारंभ हुआ।

प्रधानाचार्या रुचि मेहता, उप प्रधानाचार्या संगीता खत्री, विनीता कॉलोनी ने संयुक्त तौर पर रीबन काटकर विधिवत पुस्तक मेले का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तक को इंसान को सबसे अच्छा दोस्त बताया। प्रबंधक मनोज कुमार जोशी ने बताया कि प्रतिवर्ष विद्यालय में पुस्तक मेले का आयोजन किया जाता है। यहां शिक्षिका ज्योति भट्ट सहित कई मौजूद रहे।

सीओ ने किया टनकपुर कोतवाली का निरीक्षण

चम्पावत। टनकपुर कोतवाली का सीओ अविनाश वर्मा ने शुक्रवार को अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उन्होंने शस्त्रों, उपकरणों और तमाम सरकारी अभिलेखों की गहनता से जांच की। सीओ ने मंगलवार को कोतवाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम कोतवाल चंद्र मोहन सिंह की टीम ने सीओ को सलामी दी। सीओ ने कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में पूछा। उन्होंने मालखाना, शस्त्रागार, आपदा उपकरणों, सीसीटीएनएस, मैस, बैरक, सरकारी भवनों, आवास परिसर, लावारिस वाहनों और कार्यालय अभिलेखों की गहनता से जांच की गई। यहां एसएसआई बची सिंह बिष्ट, एसआई जितेंद्र सिंह, हरवंश राणा, शंकर दत्त, नीलम वर्मा, सावित्री सैला आदि रहे।

बारिश से बागेश्वर की 14 सड़कों पर यातायात प्रभावित

बागेश्वर। जिले में बारिश का दौर जारी है। गुरुवार की रात समूचे जिले में जमकर बारिश हुई। इससे जिले की 14 सड़कों पर यातायात प्रभावित हो गया है। मंडलसेरा क्षेत्र एक बार फिर जलमग्न है। स्कूली बच्चे जलभराव में भीगकर स्कूल पहुंचे। कई अभिभावकों ने पीठ पर बच्चे रखकर उन्हें स्कूल पहुंचाया। जिला आपदा विभाग के अनुसार सातचौंरा–जल्थाकोट, बागेश्वर–गिरेछीना, कांडा सानिउडियार, सैलानी–गनीगांव, भानी–हरसिंग्याबगड़, पिंडारी ग्लेशियर, भयूं–गुलेर, लीती, कलना बैंड–पंत क्वैराली, कठपुड़ियाछीना–सेराघाट, काफलीकमेड़ा, बड़ेत मार्ग शामिल हैं। प्रभावित सड़कों में नौ ग्रामीण, दो राज्य तथा तीन जिले स्तर की सड़कें शामिल हैं।

धूमधाम से मनाई गई स्वर्गीय सोबन सिंह जीना की 115वीं जयंती

अल्मोड़ा। स्व0 सोबन सिंह जीना की 115 वीं जंयती उनके पैतृक गांव सुनौली ताकुला में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर उपस्थित लोगों द्वारा स्व0 जीना की प्रतिमा पर फूलमाला अर्पित करते हुये उनको याद किया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि/भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश बहुगुणा ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि स्व0 जीना ने गाँव–गाँव घूमकर शैक्षिक विकास के लिए कार्य किया और आजादी के बाद उत्तराखण्ड की राजनीति में सोबन सिंह जीना एक प्रभावशाली राजनैतिक ताकत के रूप में उभरे। उन्होंने कहा कि पर्वतीय विकास मंत्री के रूप में उन्होंने काम किया जिसका लाभ सुदूर अंचलों तक मिला। स्व0 जीना अपने लम्बे राजनैतिक तथा सामाजिक जीवन में अपनी सौम्यता, मृदभाषिता, स्पष्टवादिता, समाजसेवा के लिए जाने जाते रहे। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा–पिथौरागढ़ सांसद अजय टम्टा से आज दूरभाष पर हुई वार्ता के दौरान सांसद द्वारा कहा कि सोबन सिंह जीना वाचनालय सुनौली को नियमानुसार 02.00 लाख रू0 पुस्तकों हेतु दिये जाने की घोषणा की है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, महामंत्री भाजपा धर्मेन्द्र बिष्ट, स्व0 सोबन सिंह जीना स्मृति कल्याण समिति सुनोली के उपाध्यक्ष जगदीश पंत, अरविन्द सिंह, जगदीश डंगवाल, तारा नेगी, करम सिंह भाकुनी सहित समस्त क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

मंडलसेरा के लोगों ने तहसीलदार व ईओ का किया घेराव

बागेश्वर। हर साल की तरह इस साल भी कुंती गधेरा मंडलसेरा वार्ड के लोगों के लिए आफत बनकर बह रहा है। गुरुवार की रात हुई बारिश से पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया। लोगों के घरों में नालों का पानी घुस गया। इस कारण लोग रातभर सो नहीं पाए। शुक्रवार की सुबह तहसीलदार व ईओ नगर पालिका क्षेत्र में पहुंचे तो लोगों को गुस्सा उन पर टूट पड़ा। क्षेत्र के लोगों ने दोनों का घेराव किया और जलभराव जैसी समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। एक घंटे तक लोग अधिकारियों पर गुस्सा निकालते रहे। बाद में किसी तरह उन्हें समझा पाए।मंडलसेरा बायपास सड़क बनने के बाद एकाएक मंडलसेरा में मकानों की बाढ़ आ गई। सड़क किनारे जमीन की कीमत भी दोगुनी हो गई। लेकिन क्षेत्र में बह रहे बरसाती नालों के पानी की निकासी के बारे में किसी ने सोचा तक नहीं। लगातार यहां विकास कार्य होते रहे। यहां हर साल दस से 20 नये मकान बन रहे हैं, लेकिन बरसाती नालों के पानी की निकासी अभी तक नहीं हो पाई है। इस कारण बारिश के दिनों में हर साल कुंती नाले के उफनाते ही लोगों की समस्या बढ़ जाती है। गुरुवार की रात हुई तेज बारिश के बाद समूचा क्षेत्र जलमग्न हो गया। लोगों के घरों तक पानी घुस गया। निर्माण कार्य के लिए आई सामग्री भी मलबे में दब गई। लोग रातभर सो तक नहीं पाए। शुक्रवार की सुबह तहसीलदार दीपिका आर्या, नगर पालिका के ईओ हयात सिंह परिहार जैसे ही क्षेत्र में पहुंचे रातभर से परेशान लोगों का गुस्सा उन पर टूट पड़ा।

जड़ी–बूटी दिवस के रूप में मनाया आचार्य बालकृष्ण का जन्मदनि

रुद्रपुर। योग प्रशिक्षण में योगसाधकों ने आचार्य बालकृष्ण का जन्म दिन जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया। योग साधकों ने अपने घरों में आयुवेर्दिक पौधों का रोपण किया। इस दौरान लोगों को आयुर्वेदिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। शुक्रवार को सनातन धर्मशाला में आयोजित योग शिविर के दौरान आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन मनाया। जिला युवा प्रभारी योग प्रशिक्षक मोहित गहतोड़ी ने स्वस्थ रहने के लिए योग व प्रणायाम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आयुर्वेदिक औषधियों व आयुर्वेदिक पौधों की जानकारी दी। आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के बारे में भी बताया गया। यहां सुमन राय, परमानंद गहोड़ी, दीपा तिवारी, सदानंद जांशी, पंकज गहतोड़ी, आनंद बल्लभ, ललित सक्सेना, जीवंती क्वीरा आदि मौजूद रहे।

जीबी पंत पर्यावरण संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ उपेन्द्र धर की पुण्य तिथि पर हुआ वृहद वृक्षारोपण

अल्मोड़ा। गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान अल्मोड़ा के जैव–विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन केन्द्र द्वारा पर्यावरण संस्थान के भूतपूर्व निदेशक स्वर्गीय डॉ उपेन्द्र धर की द्वितीय पुण्यतिथि पर संस्थान के 'सूर्य–कुंज' में बहुमूल्य औषधीय पादप तिमूर (जांथॉक्सिलम आर्मेटम) एवं अन्य पादप प्रजातियों का वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संचालित करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख डॉ आई डी भट्ट ने बताया कि पूर्व निदेशक डा0 उपेन्द्र धर ने संस्थान में बर्हि–स्थाने संरक्षण केन्द्र 'सूर्य–कुंज' की परिकल्पना की थी। 'सूर्य–कुंज' में संकटग्रस्त प्रजातियों जैसे– बरबेरीस की सैंचूरी को भी स्थापित किया जा चुका है। डा0 धर को सदैव हिमालयी जैव–विविधता से अत्यधिक प्रेम एवं लगाव था। प्रो सुनील नौटियाल, संस्थान निदेशक ने डॉ उपेन्द्र धर को समर्पित पर्यावरणवादी, कुशल वैज्ञानिक एवं बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया। डॉ नौटियाल ने उनके द्वारा संस्थान हित में किए गए विभिन्न प्रशासनिक एवं शोध कायो को साझा किया। कार्यक्रम में जैव–विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन केन्द्र के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, कर्मचारियों द्वारा तिमूर के साथ विभिन्न पादप प्रजातियों का रोपण किया गया।

स्कूल बस से कुचलकर बालिका की मौत, हंगामा

रुद्रपुर। प्रीत विहार में शुक्रवार सुबह स्कूल बस से कुचलकर एक सात वर्षीय बालिका की मौत हो गई। इससे गुस्साए लोगों ने जमकर हंगामा किया। लोगों ने पथराव कर बस का पीछे का शीशा तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच चालक को हिरासत में ले लिया। इसके बाद भी लोगों ने चालक के साथ धक्का–मुक्की की। साथ ही ट्रैक्टर ट्रॉली लगाकर रास्ता भी जाम किया। बाद में विधायक, पूर्व विधायक व पुलिस ने दबाव बनाकर बस मालिक से पीड़ति परिवार को दो लाख की आर्थिक मदद का भरोसा दिलाया। इसके बाद लोग शांत हुए। लगभग चार घंटे तक हंगामा चलता रहा।

जानकारी के मुताबिक, एक निजी स्कूल की बस सुबह साढ़े सात बजे बच्चों को लेने के लिए प्रीत विहार फेस टू में गई थी। इस बस को 70 वर्षीय चालक राजेंद्र कुमार चला रहा था। गली नम्बर 4 के पास बस पहुंची तो चालक ने उसे रोक दिया। बस के पीछे प्रीत विहार निवासी संजीव शर्मा की 7 वर्षीय पुत्री नेहा शर्मा थी। चालक ने अचानक बस को पीछे की तरफ चला दिया, इससे नेहा बस की चपेट में आ गई। जब तक चालक को लोग आवाज देकर बस रोकने का इशारा करते, तब तक नेहा पूरी तरह बस की नीचे आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए। उन्होंने बस चालक को पकड़ लिया। बालिका की मौत की सूचना मिलते ही प्रीत विहार के अन्य लोग भी इकट्ठे हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और भीड़ के कब्जे से ड्राइवर को अपनी अभिरक्षा में ले लिया। लोगों का गुस्सा देखकर भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर बुला लिया गया। भीड़ में महिलाओं की संख्या भी अधिक थी, जिसको देखते हुए रिजर्व में तैनात महिला कांस्टेबल की टुकड़ी भी मौके पर पहुंच गई।

तल्लादेश में मोबाइल से नेटवर्क गायब, इंटरनेट ठप

चम्पावत। तल्लादेश क्षेत्र में एक महीने से ग्रामीण नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां ग्रामीणों के मोबाइल से नेटवर्क गायब और इंटरनेट पूरी तरह ठप है।पूर्व प्रधान विपिन जोशी, मोहन सिंह, राहुल सिंह ने बताया कि बीएसएनएल की सेवा से लोग परेशान हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों का आपातकाल के दौरान दूसरे से संपर्क नहीं हो पा रहा है। मोबाइल से अधिकांश समय नेटवर्क गायब रहते हैं, जबकि इंटरनेट पूरी तरह ठप। ग्रामीणों ने कहा कि जिला प्रशासन को सरकार के समक्ष उनकी समस्याओं को रखना चाहिए।

पिथौरागढ़ में लंबित मांगें पूरी न होने से आशाओं में आक्रोश

पिथौरागढ़। सीमांत में मासिक प्रोत्साहन राशि और मानदेय न मिलने से आशा कार्यकत्रियों में आक्रोश है। जिला मुख्यालय के साथ ही कार्यकत्रियों ने बेरीनाग, गंगोलीहाट, मुनस्यारी में विरोध–प्रदर्शन किया। उन्होंने शासन–प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाया।

शुक्रवार को नगर में आशा हेल्थ वर्कस यूनियन की अध्यक्ष इंद्रा देऊआ के नेतृत्व में कार्यकत्रियों ने डिप्टी सीएमओ को ज्ञापन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शासन–प्रशासन आशाओं से लगातार नया–नया काम करवा रहा है, लेकिन उन्हें उस काम का मेहनताना नहीं दे रहा। बीते अक्तूबर से उन्हें प्रतिमाह मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं हुआ है। एनएचएम की धनराशि का भी भुगतान मार्च में हुआ है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री की ओर से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि भी अप्रैल 2022 से नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मार्च 2021 में सभी ब्लॉकों में एचबीवाईसी ट्रेनिंग हुई, उसकी धनराशि भी अब तक उन्हें नहीं मिली है। देऊआ ने कहा कि यूनियन लगातार लंबित भुगतानों को लेकर आवाज उठा रही है, लेकिन सरकारी तंत्र उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रहा है। सरकारी तंत्र की इस अनदेखी से कई कार्यकत्रियों के सामने परिवार को भरण–पोषण करना चुनौती बन गया है।

ये रहे शामिलः माधवी वल्दिया, हेमा पांडेय, हीरा, निर्मला, चंद्रकला बिष्ट, सविता नगरकोटी, भागीरथी कुंवर, मीना गिरी, मीना, शांति, उर्मिला सौन, लीला जोशी, गीता खनका, लक्ष्मी धामी, बबीता खनका, बंसती सौन, नेहा चंद आदि मौजूद रहे।

गंगोलीहाट में चौथे दिन भी डटीं रही आशा कार्यकर्ता

गंगोलीहाट। नगर में आशाओं का बहिष्कार चौथे दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को ब्लॉक अध्यक्ष उमा महरा ने शासन–प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से प्रोत्साहन राशि सहित अन्य मांगों को लेकर आवाज उठा रही हैं, लेकिन लगातार उनकी अनदेखी की जा रही है। कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी वह आंदोलन में डटी रहेंगी। प्रदर्शन करने वालों में सीता देवी, तारा देवी, राधिका देवी, प्रभा जोशी,कमला बिष्ट, मुन्नी देवी, मंजू देवी, रेनू पंत, हेमा पंत, हंसी कोश्यारी, सीता पंत, लीला आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी ने अधिशासी अधिकारी नगरपालिका भरत त्रिपाठी के साथ रानीधारा क्षेत्र का दौरा किया। विदित हो कि बीते दिनों हुई बारिश से रानीधारा क्षेत्र में लोगों के घरों में मलबा और पानी काफी अधिक मात्रा में घुस गया था तथा नौले में भी भारी मलबा आ जाने के कारण काफी नुकसान हुआ था। शुक्रवार को पालिकाध्यक्ष जोशी ने रानीधारा क्षेत्र का भ्रमण कर मलबा आने से प्रभावित लोगों से मुलाकात की तथा हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष जोशी ने कहा कि नगरपालिका की टीम पूरी तरह मुस्तैद है तथा लगातार मलबा साफ करने में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों से अमीन बसन्त बल्लभ पाण्डेय के नेतृत्व में नगरपालिका की आपदा टीम लगातार मलबा हटाने के काम में लगी है। उन्होंने बताया कि लोगों के द्वारा अपने भवन निर्माण के उपरान्त मिट्टी को ऐसे ही फेंक दिया जा रहा है जो भारी बारिश होने पर मलबे का रूप धारण करके लोगों के घरों में पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों को चिन्हित करने का काम किया जा रहा है तथा विगत दिनों इस पर चालानी कार्यवाही भी की गयी है। इसके आगे उन्होंने बताया कि नगरपालिका की वित्तीय स्थिति बेहद खराब है ।

ट्रैक्टर के नीचे दबकर चालक की दर्दनाक मौत

रुद्रपुर। गांव सुतईया में ट्रैक्टर पलटने के कारण उसके नीचे दबकर चालक की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही पुलभट्टा पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुन्नालाल (50 वर्ष) पुत्र जानकी प्रसाद निवासी ग्राम सुतईया ट्रैक्टर चालक था। गुरुवार देर शाम वह लेबर को छोड़कर ट्रैक्टर ट्रॉली से पुलभट्टा गांव से सुतईया जा रहा था। बताया जा रहा है कि इस दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई।

घोषणाओं के शासनादेश पर भाजपाइयों ने जताया सीएम का आभार

रुद्रपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा खटीमा के लिए की गई तीन घोषणाओं का शासनादेश जारी होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। कार्यकर्ताओं ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि विकास कार्यों का लाभ क्षेत्रवासियों को मिलेगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री धामी ने खटीमा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र–छात्राओं के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस बड़ी लाइब्रेरी बनाने, जलभराव की समस्या के मद्देनजर खटीमा में अंडरग्राउंड ड्रेनज सीवर लाइन बनाने तथा हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से आईटीआई के माध्यम से प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण इन तीनों घोषणाओं का शासनादेश जारी होने के बाद जल्द कार्य शुरू हो सकेगा। लाइब्रेरी में गरीब छात्र–छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकें, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में मदद मिलेगी। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी, एससी मोर्चे के अध्यक्ष नवल बाल्मीकि, गोविंद टम्टा, अल्पसंख्यक मोर्चे के अमानत हुसैन, संतोष अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव : 13 से 15 अगस्त तक हर घर फहरेगा तिरंगा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। जिसमें स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाने के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। स्वतंत्रता दिवस पर जिले में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद राज्य आंदोलनकारियों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव पर विगत वर्ष की भांति इस बार भी हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सभी घरों में 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराया जाएगा। उन्होंने पूरे जनपद वासियों से आजादी के अमृत महोत्सव पर अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि 15 अगस्त को सभी कार्यालयाध्यक्ष अपने-अपने कार्यालय में प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे। जिलाधिकारी कार्यालय में 9:30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। समस्त शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रातः 7.30 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रातः 10 बजे शहीद स्मारकों पर माल्यार्पण किया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत सभी विभागों के सौजन्य से वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि 14 व 15 अगस्त को सायं 6 से रात्रि 11 बजे तक सरकारी भवनों, इमारतों, स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक स्मारकों को छोटे एलईडी बल्ब से प्रकाशमान किया जाए। प्रमुख चौराहों, कार्यालयों में देश भक्ति एवं देश प्रेम गीतों का प्रसारण किया जाए। सभी कार्यालय परिसर, नगर पालिका व नगर पंचायतों के सभी वार्डों में विशेष स्वच्छता एवं साफ-सफाई रखने के निर्देश भी दिए। शिक्षण संस्थाओं में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीद राज्य आंदोलनकारियों की जीवनी पर आधारित सामान्य ज्ञान, चित्रकला, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाए। खेल विभाग द्वारा 14 अगस्त को बालक एवं बालिकाओं की विभिन्न आयु वर्गों में क्रॉस कंट्री दौड़ होगी। जबकि 14 व 15 अगस्त को सीनियर बालिका वर्ग में वालीबॉल तथा जूनियर बालक वर्ग में फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। ग्राम पंचायत में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में अपर परियोजना निदेशक केके पंत, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल (से.नि) बी. बनर्जी, मुख्य शिक्षा अधिकारी कुलदीप गैरोला, जिला क्रीडा अधिकारी जयवीर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता डीपी पुरोहित, दिनेश तिवारी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स का जल्द होगा गठन : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 19वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए बंदरों और जंगली सूअरों की समस्या को दूर करने के लिए फोकस्ड होकर काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बंदरों के बंध्याकरण के लक्ष्य को दोगुना करने के साथ ही इनका प्रैक्टिकल समाधान प्रस्तुत करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से लंबित टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स का गठन भी शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा कि टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स बनाकर युवाओं को इससे जोड़ा जाए। वनों से लगे ग्रामीण इलाकों के लोगों की वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका होती है। ऐसे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक भी किया जाए, समय-समय पर वन्यजीव रेस्क्यू एवं रैपिड एक्शन फोर्स की ट्रेनिंग भी लोगो को दी जाए। मुख्यमंत्री ने मानव वन्यजीव संघर्ष राहत राशि का वितरण 15 दिनों में सुनिश्चित किए जाने की व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। वन्यजीवों के हमले में किसी व्यक्ति की मृत्यु पर राहत राशि को 4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रूपए करने का प्रस्ताव जल्द से जल्द कैबिनेट में लाया जाए।मानव वन्यजीव संघर्ष को कम किए जाने की दृष्टी से आवश्यक कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा वनों के समीप गांव में सोलर लाइट लगाए जाने, पब्लिक अवेयरनेस, पर्याप्त मात्रा में वन कर्मियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा जिन स्थानों पर मानव वन्यजीव संघर्ष अधिक होते हैं ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए। ताकि लोगों को पहले चेतावनी दी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बायो फेंसिंग पर कार्य किया जाए। इको टूरिज्म, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म और बायो फेंसिंग को बोर्ड की बैठक का नियमित एजेंडा बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड वाइल्डलाइफ हेल्पलाइन का भी लोकार्पण किया। बैठक में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक रेणु बिष्ट,मुख्य सचिव एसएस संधु, डीजीपी अशोक कुमार, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक सहित राज्य वन्य जीव बोर्ड के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आपदा प्रभावितों के बिल हो माफ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कोटद्वार के कौड़िया क्षेत्र में पनियाली नाले की बाढ़ की चपेट में आए प्रभावितों के बिजली व पानी के बिल माफ करने की मांग की है। इस संबध में कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष शांतनु रावत के नेतृत्व में तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है।ज्ञापन में कहा गया है कि कोटद्वार विधानसभा का कौड़िया क्षेत्र लगातार लंबे समय से आपदा की मार झेल रहा है। इस वर्ष भी 28 जुलाई को पनियाली नाले में आई बाढ़ का पानी वहां रहने वाले लोगों के घरों में घुस गया। इस कारण वहां के लोगों को सड़क पर ही रात गुजारनी पड़ी थी। अभी भी वहां पर हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। इस क्षेत्र में कोटद्वार का आर्थिक रूप से सबसे कमजोर वर्ग निवास करता है। वर्तमान में उनके समक्ष आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से उक्त क्षेत्र को आपदा प्रभावित घोषित करते हुए वहां के निवासियों के बिजली व पानी के बिल माफ करने व प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मांग की गई है। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में जिला महामंत्री शुभम रावत, जिला मंत्री अमित नेगी, आशीष केष्टवाल, मयंक गुप्ता, पारस बेदी, विजय रावत, सुखरौ मंडल अध्यक्ष विराट सुंद्रियाल और स्वप्निल भटनागर आदि शामिल थे।

10 अक्टूबर को चौरासी कुटिया में मनाया जाएगा ग्रेंड फेस्टिवल

जयन्त प्रतिनिधिपौड़ी : विश्व योग नगरी ऋषिकेश स्थित चौरासी कुटिया क्षेत्र में ग्रेट बीटल बैण्ड थीम पर 10 अक्तूबर को एक ग्रेंड फेस्टिवल मनाया जाएगा। प्रस्तावित फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर डीएम ने अफसरों को निर्देश दिए हैं। डीएम ने कहा कि कार्यक्रम को भव्य रूप देने से योगनगरी की दमक विश्व मानचित्र पर और अधिक प्रगाढ़ होगी। इससे एक ओर जहां विश्व के विभिन्न देशों के पर्यटकों को उत्तराखण्ड में आने के लिए प्रेरित और आकर्षित किया जा सकेगा।जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने बताया कि विश्व पर्यटन को आकर्षित करने के लिए ऋषिकेश के चौरासी कुटिया क्षेत्र में बने प्रसिद्ध बीटल आश्रम की थीम पर प्रस्तावित बीटल फेस्टिवल की प्रारम्भिक तैयारियों को लेकर एसडीएम यमकेश्वर आकाश जोशी व बीडीओ दृष्टि आनन्द को आयोजन के लिए रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें स्पॉन्सर्स से लेकर, चीप गेस्ट, साज-सज्जा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों डान्स, म्यूजिक आदि पहलू शामिल हैं। वही चौरासी कुटिया को वर्ल्ड हैरिटेज में शामिल करने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। उन्होंने सभी अफसरों को फेस्टिवल में सुरक्षा और सभी आवश्यक तैयारियों का ब्लू प्रिंट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली रैली को सफल बनाने को किया मंथन

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय इंटर कालेज कीर्तिनगर में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा की बैठक जनपद अध्यक्ष राजीव उनियाल की अध्यक्षता में की गई। बैठक में 10 अगस्त को दिल्ली रामलीला मैदान में होने वाली रैली को सफल बनाने के लिए विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर मोर्चा के मंडल समन्वयक जसपाल गुसाईं ने सभी कर्मचारियों से रैली में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग करने की अपील की।बैठक में मोर्चा के टिहरी जनपद के अध्यक्ष राजीव उनियाल, श्रीनगर शाखा अध्यक्ष राकेश रावत ने कहा कि सभी विभागों के कर्मचारियों को आंदोलन से जुड़ना होगा तभी आंदोलन को रफ्तार मिल सकती है। कहा हमें अपने हक के लिए आंदोलन करना है, जो व्यर्थ नहीं जाएगा।

चंबा में कांग्रेस ने प्रदेश सरकार का फूंका पुतला

टिहरी : देश और प्रदेश भर में महिलाओं के साथ हो रही शर्मनाक घटनाओं के विरोध में चंबा चौराहे पर कांग्रेसियों ने धामी सरकार का पुतला फूंका। कांग्रेसियों ने सरकार से महिला अपराधों को रोकने की मांग की है।गुरुवार को शहर कांग्रेस कमेटी चंबा के नेतृत्व में कांग्रेसी चंबा चौक पर एकत्र हुए। जहां पर कांग्रेसियों ने महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार के लिए भाजपा सरकार करे जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदर्शन करने के बाद पूतला फूंका। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि आज देश और प्रदेश भर में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत और नगर पालिका चंबा की अध्यक्ष सुमना रमोला ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा भाजपा का खोखला साबित हुआ है। आज मणिपुर से लेकर उत्तराखंड में तेजी से महिला अपराध बढ़े हैं। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राणा, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत, ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष साहब सिंह सजवान, शहर कांग्रेस के अध्यक्ष शक्ति प्रसाद जोशी, सूरज सिंह राणा, सोबन सिंह नेगी, नरेंद्र चंद रमोला, विक्रम सिंह पंवार, नगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष प्रभा तिवारी, गीता खनका, तनीषा रावत, उत्तम सिंह रावत, विजय सिंह नेगी, विजेंद्र सिंह नेगी, दिनेश कोहली, देव सिंह सजवान, गोविंद सिंह बिष्ट, रविंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

राजस्व संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

विकासनगर। पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, उपनिरीक्षक एवं राजस्व सेवक संघ देहरादून ने जिलाधिकारी देहरादून को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन प्रेषित किया है। ज्ञापन में संघ ने कहा कि उनकी लंबित मांगों के संबंध में कई बार निस्तारण करने की मांग की गयी है। लेकिन अब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया है। जिससे संघ में आक्रोश पनपता जा रहा है। संघ ने तत्काल उनकी मांगों को पूरा करने की मांग की है।ज्ञापन में संघ ने कहा कि छह अप्रैल को त्यूणी में हुई अग्निकांड के समय राजस्व उपनिरीक्षक अवकाश पर थे। उनकी जगह अन्य राजस्व उपनिरीक्षकों ने राहत बचाव का कार्य संभाला। उसके बावजूद श्याम सिंह तोमर घटना स्थल पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य किया। लेकिन श्याम सिंह तोमर को बेवजह निलंबित किया गया है। उनका निलंबन वापस करने की लगातार मांग की जा रही है। लेकिन चार माह बाद भी श्याम सिंह तोमर का निलंबन वापस नहीं लिया गया। बताया कि दो राजस्व उपनिरीक्षकों को कालसी से देहरादून सदर तहसील में सबंद्ध किया गया। बताया कि तहसील कालसी, चकराता व त्यूणी में राजस्व उपनिरीक्षकों के नौ पद खाली हैं। कार्य की अधिकता को देखते हुए राजस्व उपनिरीक्षकों की संबद्धता को निरस्त किया जाय। ज्ञापन में कहा कि पांच वर्ष से अधिक एक तहसील में काम करने वाले राजस्व उपनिरीक्षक का स्थानांतरण किया जाना है। लेकिन पांच साल से अधिक समय तक एक तहसील में जमे रहने वालों के स्थानांतरण के बजाय पांच वर्ष से कम समय तक तहसील में काम करने वालों का स्थानांतरण किया जा रहा है। जिसे नहीं किया जाना चाहिए। राजस्व उपनिरीक्षक चौकी साहिया को पुलिस चौकी के लिए दिया गया है। ऐसे में पुलिस से उक्त राजस्व उपनिरीक्षक चौकी को वापस लिया जाय। संघ ने कहा कि उनकी मांगों तत्काल पूरा किया जाय। अन्यथा उन्हे धरना प्रदर्शन व कलमबंद हडताल के लिए बाध्य होना पडेगा। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में संरक्षक भीमदत्त जोशी, अध्यक्ष जयलाल शर्मा, सचिव एमएल जिनाटा, सुरेश चंद जिनाटा, साधूसिंह चौहान, शिवानी नेगी, मीनाक्षी शाह, देवेंद्र सिंह रावत, मनोज कुमार, जयकृष्ण, दीपक कौशल, गौरव, चतर सिंह चौहान अनिल, कमलेश आदि शामिल रहे।

पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश पंजीकरण तिथि बढ़ाने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : जय हो छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने छात्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने यूजी व पीजी कक्षाओं में छात्रों के समक्ष प्रवेश को लेकर आ रही दिक्कतों को रखा। जिस पर डीएसडब्ल्यू ने छात्रों को समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

छात्र नेता सुधांशु थपलियाल के नेतृत्व में डीएसडब्ल्यू से वार्ता के दौरान छात्रों ने कहा कि यूजी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले सीयूईटी परीक्षार्थियों को एनटीए द्वारा चयनित परीक्षा केंद्र से दूरस्थ केंद्र आवंटित किए गए थे, जिससे कई छात्र अपनी परीक्षा सही विषय संयोजन के साथ नही दे पाए। साथ ही कई छात्रों (मुख्यतः बीए व बीएससी) को सही विषय संयोजन की जानकारी न होने के कारण वह प्रवेश पंजीकरण नही करा पा रहे हैं।

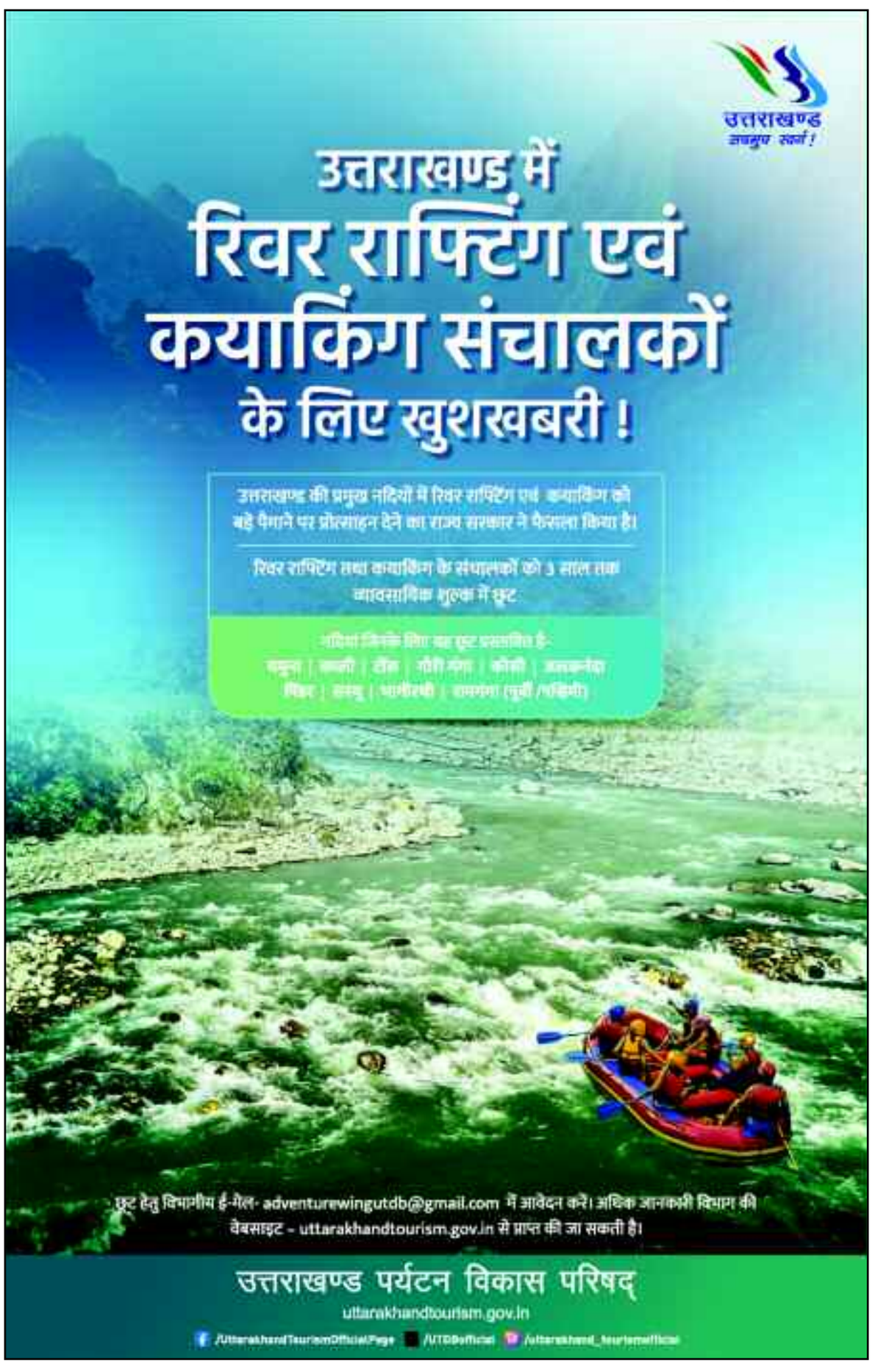

ऋषिकेश में टमाटर 240 रुपये प्रति किलो बिका

ऋषिकेश। टमाटर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं। ऋषिकेश के छोटी मंडी और ठेलियों पर शुक्रवार को टमाटर 240 रुपये प्रति किलो तक बिका। टमाटर के दाम बढ़ने से गृहणियों का बजट गड़बड़ा गया है। पिछले कुछ दिनों से टमाटर के दामों में लगातार इजाफा हो रहा है। सब्जी कारोबारियों का कहना है कि जल्द ही टमाटर के भाव बड़ी तेजी से कम होने लगेंगे। शुक्रवार को ऋषिकेश के छोटी मंडी में टमाटर के दाम आसमान छू रहे थे। हर कोई टमाटर के दाम बढ़ने से हतप्रभ दिखा। सब्जी खरीदने आए लोग टमाटर का मोलभाव करते दिखे। गंगा नगरी निवासी रेखा अग्रवाल ने कहा कि अब टमाटर खरीदना मुश्किल हो गया है। पहले वे एक साथ दो-दो किलो टमाटर तक खरीदते थे, लेकिन अब पावभर टमाटर से काम चलाना पड़ रहा है। हरिद्वार रोड निवासी ज्योति शर्मा भी टमाटर के दाम बढ़ने से दुखी नजर आईं। तपोवन निवासी नेहा और मायापुर निवासी कांता देवी ने कहा कि सरकार को टमाटर के बढ़ते दामों पर अंकुश लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आए दिन सब्जियों के दाम बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सब्जियों के कारोबार करने वाले बड़े-बड़े व्यापारी टमाटर की कालाबाजारी कर रहे हैं।

मंडी में 60 रुपये प्रति किलो मिल रहा टमाटरः सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक डिग्री कॉलेज के सामने कृषि मंडी समिति में टमाटर 60 रुपये किलो मिल रहा है। एक व्यक्ति दो किलो टमाटर ही खरीद सकता है। टमाटर के दाम बढ़ने पर मंडी समिति ने यह निर्णय लिया है। यह जानकारी मंडी समिति के सचिव विजय थपलियाल ने दी।

पार्षदों ने लगाया पुलिस प्रशासन पर सहयोग नहीं करने का आरोप

ऋषिकेश। पार्षदों ने पुलिस प्रशासन पर नगर निगम प्रशासन का सहयोग न करने का आरोप लगाया है। चेताया कि पुलिस प्रशासन सहयोग नहीं करेगी तो आंदोलन किया जाएगा। नगर निगम के 18 पार्षदों ने ऋषिकेश कोतवाल प्रभारी खुशीराम पांडेय को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा के शहर के मध्य मुख्य सड़क मार्ग में विगत 40 वर्षों से कूड़ा अव्यवस्थित है, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं में ऋषिकेश शहर के साथ-साथ उत्तराखंड सहित पूरे भारतवर्ष की छवि धूमिल हो रही है। कूड़े के पहाड़ को निस्तारित करने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम ऋषिकेश को शहर के मध्य स्थित उक्त कूड़े के पहाड़ के निस्तारण हेतु लाल पानी बीट में वन एवं जलवायु पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 10 हेक्टेयर भूमि हस्तान्तरित की गई है। वन विभाग द्वारा नगर निगम ऋषिकेश को हस्तान्तरित उक्त स्थल पर कूड़ा निस्तारण प्लांट स्थापित किए जाने के लिए नगर निगम द्वारा विगत एक वर्ष पूर्व टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर प्लांट लगाने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई थी, किन्तु कुछ अवैध कब्जाधारियों द्वारा लगातार कूड़ा निस्तारण प्लांट का विरोध किया जा रहा है। नगर निगम जब भी कूड़ा निस्तारण प्लांट के निर्माण कार्य के लिए स्थल पर पहुंचता है तो उक्त लोगों द्वारा सरकारी कार्यों में में बाधा पहुंचाई जाती है। जिसकी सूचना नगर निगम द्वारा लगातार पुलिस प्रशासन को दी जा रही है, जिस पर किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही पुलिस प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही है।

सम्पादकीय

फैसले से उत्साहित "इंडिया"

कानूनी पेचीदगियों से जूझ रहे राहुल गांधी को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी राहत मिल गई। मोदी सरनेम प्रकरण में राहुल गांधी की 2 वर्ष की सजा पर रोक लग गई है और इसी के साथ उनकी लोकसभा सदस्यता भी बहाल हो जाएगी। कांग्रेस ने इसे अपनी एक बड़ी जीत माना है जबकि विपक्ष का गठबंधन खेमा "इंडिया" भी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद काफी उत्साहित नजर आ रहा है। स्पष्ट है की सजा पर रोक लगने के बाद न केवल उनकी सदस्यता वापस बहस होगी बल्कि वे वर्ष 2024 में लोकसभा का चुनाव भी लड़ सकेंगे। निश्चित तौर पर अभी तक "इंडिया" गठबंधन में राहुल गांधी की भूमिका पर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन अब स्थिति स्पष्ट होती हुई नजर आने लगी है और आने वाले लोकसभा चुनाव में विपक्ष राहुल गांधी के चेहरे पर चुनावी मैदान में और अधिक सक्रियता के साथ उतरेगी। संसद में राहुल के प्रखर सवाल एक बार फिर सुनाई देंगे जबकि विपक्षी गठबंधन को भी लोकसभा में राहुल की मौजूदगी से बल मिलेगा। मोदी सरनेम प्रकरण में जिस प्रकार से कोर्ट की कार्रवाई त्वरित गति से नजर आई थी उससे एक बारगी को यह भी लगा था कि क्या न्यायपालिका स्वतंत्र तरीके से कार्य करती है या उसे भी सत्ता के प्रभाव से प्रभावित किया जा सकता है? इस प्रकरण को लेकर पूर्व में काफी वाद विवाद और हंगामा हो चुका है लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद कहीं ना कहीं एक बार फिर न्यायपालिका के प्रति आम लोगों में संतुलन का भाव दिखने लगा है। राहुल गांधी के पक्ष में आए फैसले से विपक्ष कितना उत्साहित है इसका आकलन इसी बात से लगाया जा सकता है कि फैसले के तत्काल बाद राहुल गांधी स्वयं लालू प्रसाद यादव के दिल्ली निवास पर रात के भोजन के लिए पहुंचे जहां विपक्ष की आगामी रणनीति को लेकर व्यापक चर्चा स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए एक खास टिप्पणी यह भी की है कि इस प्रकार के दिए गए बयान अच्छे मूड में नहीं होते और हर व्यक्ति को सार्वजनिक भाषण देते समय बेहद सावधानी रखनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को प्रत्येक उसे नेता को गंभीरता से लेना चाहिए जो अति उत्साह में ऐसे बयान देते हैं जो समाज एवं सांप्रदायिक सौहार्द के लिए सामाजिक असंतुलन का कारण भी बन जाते हैं। जिस प्रकार से अदालत ने मोदी सरनेम को लेकर फैसला सुनाने में त्वरित कार्रवाई की है अन्य विवादित बयानों को लेकर भी यदि ऐसे ही त्वरित फैसले लिए जाएं तो सभ्य समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयानों पर रोक लग सकेगी। बहरहाल राहुल गांधी को भी एक बड़ी राहत सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मिली है क्योंकि कहीं ना कहीं 2 साल की सजा सुनाई जाने के बाद उनकी वर्तमान राजनीति लगभग सुप्त अवस्था में नजर आने लगी थी। सजा को लेकर कानूनी लड़ाई जारी थी लेकिन यह निश्चित नहीं था की अदालत से राहत मिल पाएगी या नहीं? गठबंधन "इंडिया" में वे एक प्रमुख चेहरा तो थे लेकिन आगामी लोकसभा 2024 के चुनाव में उनकी भूमिका और भागीदारी क्या होती इसे लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। विपक्ष गठबंधन इंडिया अब नए उत्साह के साथ अपनी रणनीति का ताना-बाना बुना जायेगा और इसी के साथ एनडीए के लिए भी आगामी चुनावी रणनीति को लेकर विचार मंथन का दौरा शुरू होगा।

नफरत मिटाने के साझा प्रयास की जरूरत

मणिपुर में हालात ऐसे बन गए हैं कि कुकी और मैती एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं। वहां जाति पूछ कर हमले हो रहे हैं, हत्याएं हो रही हैं। इसी तरह जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे पुलिस फोर्स के एक जवान ने एक सीनियर अधिकारी की हत्या कर दी और उसके बाद तीन मुस्लिम यात्रियों को खोज कर गोली मार दी। इस भयानक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद उसका एक कथित वीडियो सामने आया, जिसमें वह पाकिस्तान का जिक्रकर रहा है और हिंदुस्तान में रहना है तो क्या करना होगा यह बता रहा है।

यह समाज में बढ़ती नफरत और हिंसा को प्रतीकित करने वाली घटना है। किसी खास राजनीतिक विचारधारा के अतिशय प्रचार की वजह से हो या मीडिया में एक समुदाय के खिलाफ नफरत बढ़ाने वाला कंटेंट लगातार दिखाए जाने की वजह से हो लेकिन हकीकत है कि आम आदमी के दिमाग में जहर भरा जा रहा है।

अजीत द्विवेदी

पिछले कुछ समय से देश के अलग अलग हिस्सों में ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो समाज में बढ़ती नफरत, हिंसा और गुस्से की प्रवृत्ति को परिलक्षित करती हैं। मणिपुर में चल रही जातीय हिंसा से लेकर दिल्ली से सटे मेवात में हुए सांप्रदायिक दंगे और जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में तीन लोगों की गोली मार कर हत्या करने की घटना को इस मामले में प्रतिनिधि घटना के तौर पर देख सकते हैं। ये तीनों घटनाएं देश के तीन अलग अलग भौगोलिक क्षेत्र में हुई हैं और बिल्कुल भिन्न सामाजिक परिवेश में हुई हैं। इसलिए इन तीनों घटनाओं का किसी एक पहलू से विश्लेषण संभव नहीं है। इसमें सामाजिक व सांप्रदायिक विभाजन का पहलू है तो समाज व व्यक्तियों में बढ़ती असहिष्णुता का पहलू भी है और साथ ही कानून व्यवस्था व खुफिया तंत्र की विफलता का पहलू भी है तो राजनीतिक लाभ की मंशा का पहलू भी है।

सबसे पहले सामाजिक स्तर पर बढ़ रहे विभाजन की बात करें तो ऐसा लगता है कि भारत का समाज बड़ी तेजी से 'हम और वे' की विभाजन रेखा को पार करता जा रहा है। वैसे यह पुरानी धारणा है कि जो हमारी तरह नहीं हैं, उनको हमारे साथ नहीं रहना चाहिए। लेकिन इस धारणा के अपवाद के तौर पर ही भारत जैसी विविधता वाला समाज विकसित हुआ है। भारत में विविधता का सम्मान और स्वीकार कभी भी कृत्रिम नहीं रहा। वह स्वाभाविक रूप से था और भाजपा के नेता भी बड़े गर्व से कहते रहे हैं कि भारत एकमात्र देश है, जहां दुनिया के हर धर्म को फलने-फूलने की पूरी आजादी मिली है। यह भी कहा जाता है कि दुनिया में करीब 60 इस्लामिक मुल्क हैं लेकिन हिंदू बहुल भारत एकमात्र देश है, जहां इस्लाम को मानने वाले सभी 72 फिरकों से जुड़े लोग रहते हैं। इसके बावजूद अगर कोई व्यक्ति धर्म पहचान कर एक साथ तीन लोगों की गोली मार कर हत्या कर दे तो यह बहुत चिंता की बात होती है। मणिपुर से मुंबई तक इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। मणिपुर में हालात ऐसे बन गए हैं कि कुकी और मैती एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं। वहां जाति पूछ कर हमले हो रहे हैं, हत्याएं हो रही हैं। इसी तरह जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे पुलिस फोर्स के एक जवान ने एक सीनियर अधिकारी की हत्या कर दी और उसके बाद तीन मुस्लिम यात्रियों को खोज कर गोली मार दी। इस भयानक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद उसका एक कथित वीडियो सामने आया, जिसमें वह पाकिस्तान का जिक्र कर रहा है और हिंदुस्तान में रहना है तो क्या करना होगा यह बता रहा है।

यह समाज में बढ़ती नफरत और हिंसा को प्रतीकित करने वाली घटना है। किसी खास राजनीतिक विचारधारा के अतिशय प्रचार की वजह से हो या मीडिया में एक समुदाय के खिलाफ नफरत बढ़ाने वाला कंटेंट लगातार दिखाए जाने की वजह से हो लेकिन हकीकत है कि आम आदमी के दिमाग में जहर भरा जा रहा है। एक दूसरे

के प्रति नफरत बढ़ाई जा रही है। झूठी सच्ची खबरों या आधी अधूरी ऐतिहासिक बातों के सहारे उनको दूसरे समुदाय के प्रति भड़काया जा रहा है। भड़काने का यह काम लगभग सभी समुदायों की ओर से किया जा रहा है। कहीं प्रत्यक्ष रूप से तो कहीं परोक्ष रूप से। मणिपुर और जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस की घटना इसी का नतीजा है। सोचें, यह कितना खतरनाक है कि कहीं किसी की जाति पूछ कर उसकी हत्या कर दी जाए और कहीं किसी का धर्म देख कर उसको गोली मार दी जाए? क्या इस तरह की घटनाएं देश को अराजकता की ओर नहीं ले जाएंगी?

इसका एक दूसरा पहलू भी है। चलती ट्रेन में चार लोगों को गोली मारने वाले के बारे में कहा जा रहा है कि वह मानसिक रूप से अस्थिर था और पहले भी उसकी शिकायत मिली थी। लेकिन चार लोगों की हत्या के बाद वह जिन तर्कों से अपने कुकृत्य को जस्टिफाई कर रहा था वह बेहद चिंताजनक है। सोचें, आज हर जगह नागरिक के जीवन में सुरक्षा एजेंसियों का दखल है। रेलवे स्टेशनों से लेकर हवाईअड्डों तक और सडक़ से लेकर बाजार तक हर जगह सुरक्षाकर्मी अत्याधुनिक हथियार लेकर खड़े होते हैं। किसी को क्या पता कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है? वह किस विचारधारा से जुड़ा है और मीडिया में दिखाई गई किस खबर से उद्वेलित है? अगर किसी तनाव या दबाव के क्षण में वह गोलियां चलाने लगे तो क्या होगा? एक खबर के मुताबिक पिछले पांच साल में केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों से जुड़े छह सौ से ज्यादा जवानों ने खुदकुशी की है। कई जवानों ने अपने सहकर्मियों की हत्या करके अपने आप को गोली मारी। यह एक अलग तरह के दबाव का नतीजा है, जो पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान झेलते हैं। सो, सरकार को तत्काल इस दिशा में सोचना चाहिए। सुरक्षा बलों को डिरैडिकलाइज करने का उपाय होना चाहिए तो साथ ही उनके निजी तनावों और दबावों को दूर करने के भी उपाय होने चाहिए। बेहतर प्रशिक्षण और नौकरी की स्थितियों को बेहतर करके ऐसा किया जा सकता है।

जिस समय जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में चार लोगों को गोली मारने की घटना हुई उस समय राजधानी दिल्ली से सटे मेवात और गुरुग्राम में सांप्रदायिक हिंसा की आग लगी थी। यह पंक्ति लिखे जाने तक छह लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। सैकड़ों गाडिय़ां जला दी गईं और दर्जनों दुकानें जल कर खाक हो गईं। यह अनायास हुई हिंसा नहीं थी और न इसका विस्तार मामूली था। राजधानी दिल्ली के पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में एक बड़ा इलाका इसकी चपेट में आया। इसकी आंच राजस्थान और उत्तर प्रदेश तक पहुंची। इसमें एक पहलू राजनीतिक है लेकिन उससे ज्यादा बड़ा और अहम पहलू पुलिस, प्रशासन व खुफिया तंत्र की विफलता का है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से ब्रज मंडल यात्रा हर साल निकाली जाती है और कभी भी दंगा नहीं होता है। इस बार यात्रा से पहले दो हत्याओं के आरोपी मोनू मानेसर को लेकर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उसके यात्रा में शामिल होने का दावा किया गया। सोचें, दो मुस्लिम नौजवानों की हत्या के मामले में पुलिस उसे कई महीने से तलाश रही है और वह पकड़ा नहीं गया। और जब उसके यात्रा में शामिल होने का वीडियो आया तब भी सुरक्षा एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे बैठी रहीं।

तभी सवाल है कि जब उसके यात्रा में शामिल होने का वीडियो वायरल हुआ और नूंह चौराहे पर मुस्लिम समाज के लोग इक्ठा होने लगे तो क्या पुलिस और प्रशासन को अतिरिक्त तैयारियां नहीं करनी चाहिए थी? क्या खुफिया विभाग को सूचना नहीं मिली कि नूंह चौराहे पर मुस्लिम समुदाय के लोग इक्ठा हो रहे हैं तो दूसरी ओर यात्रा में शामिल कुछ लोग भी हथियार वगैरह लेकर निकलने वाले हैं? क्या इन्हें रोका नहीं जा सकता था? क्या मोनू मानेसर को लेकर पहले ही स्थिति स्पष्ट नहीं की जा सकती थी? लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया गया और नतीजा यह हुआ कि दंगा भडक़ गया, जिसमें कितनी जानें चली गईं, कितने घर तबाह हो गए और कितने लोगों का रोजगार छीन गया।

सवाल है कि नफरत की जो आंधी चली है उसे रोका जा सकता है? राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान खोल कर बैठे हैं लेकिन यह अकेले राहुल गांधी या अकेले किसी एक पार्टी या एक राजनीतिक गठबंधन से संभव नहीं है कि वह इस आंधी का रुख मोड़ सके। इसके लिए साझा प्रयास की जरूरत होगी। सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों को सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। जिस दिन ट्रेन में गोली मारने की घटना हुई और गुरुग्राम में हिंसा हुई उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के सांसदों से मुलाकात में कहा कि उनको मुस्लिमों के साथ रक्षाबंधन बनाना चाहिए। यह बहुत अच्छी बात है। इस तरह की सामाजिक पहल अगर प्रधानमंत्री के स्तर पर खुद होती है तो समाज में बड़ा मैसेज जाएगा।

मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

मेडिटेशन यानी ध्यान लगाना एक अद्भुत अभ्यास है, जो तनाव और चिंता से मुक्त जीवन जीने में मदद कर सकता है। यह आपको अंदर से बाहर तक तरोताजा महसूस करने में भी मदद करता है।हालांकि, क्या आप जानते हैं कि अगर मेडिटेशन का अभ्यास संगीत सुनते हुए किया जाए तो इससे आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।इसके लिए संगीत हल्का और मधुर होना चाहिए। तेज आवाज में और भडक़ीला संगीत सुनने से बचें।

तनाव को दूर करने में है सहायक

मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने का सबसे बड़ा लाभ यही है कि इससे तनाव और चिंता के स्तर में कमी आती है।तनाव दुनिया की सबसे आम मानसिक समस्याओं में से एक है। अगर काम का बोझ बहुत अधिक है तो खुद को अक्सर तनावग्रस्त महसूस करना बहुत स्वाभाविक है।हालांकि, जब आप मेडिटेशन के दौरान सुखद और मधुर संगीत सुनेंगे तो आप शांत महसूस करेंगे और धीरे-धीरे तनाव भी दूर होने लगेगा।

भावनाओं का संतुलन रखे बरकरार

भावनात्मक संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है।इसका कारण यह है कि आपको पता नहीं होता कि कब और कौन-सी परेशानी आपके सामने आ खड़ी हो जाए।ऐसे में एक संतुलित दिमाग बदलती परिस्थितियों से नहीं डरता, बल्कि उनका डटकर सामना करता है।मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने से आपको अपनी भावनाओं को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। कई अध्ययनों के मुताबिक, जो लोग संगीत सुनते हुए मेडिटेशन करते हैं, वे भावनाओं से निपटने में बेहतर होते हैं।

एकाग्रता क्षमता को बढ़ाने में करता है मदद

अगर आप रोजाना कुछ मिनट मेडिटेशन करते समय संगीत सुनते हैं तो इससे आपका ध्यान नहीं भटकेगा और एकाग्रता क्षमता में भी इजाफा होगा।इस तरह से अगर आप कॉलेज या स्कूल के छात्र हैं तो आप बेहतर पढ़ाई कर पाएंगे और अगर कार्यस्थल पर आपका जीवन व्यस्त है तो आप नई और कठिन परियोजनाओं पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे।इससे आपको हर तरह की परेशानी को सूझबूझ के साथ सुलझाने में भी मदद मिलेगी।

नींद की गुणवत्ता में करें सुधार

स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए नींद बहुत जरूरी है।पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद आपको जीवन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में भी सक्षम बनाती है।अगर आपको नींद लेने में दिक्कत होती है तो रोजाना कुछ मिनट संगीत सुनते हुए मेडिटेशन करें।इससे आप अधिक शांत व्यक्ति बन जाएंगे और बेहतर नींद लेंगे। रात की अच्छी नींद यह सुनिश्चित करेगी कि आप पूरी तरह से स्वस्थ भी हैं।

शरीर को ठीक करने में है प्रभावी

मेडिटेशन से न केवल मानसिक घाव ठीक होते हैं, बल्कि शारीरिक घाव भी ठीक होते हैं।यह शरीर की कई बीमारियों को प्राकृतिक रूप से ठीक करने में मदद कर सकता है।ऐसे कई अध्ययन हैं, जो सर्जरी के बाद मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने वालों के बीच बहुत सारे लाभ दिखाते हैं।अगर आप ऐसा कर सकें तो यकीनन इससे आपको कई लाभ मिलेंगे।

ट्रंप नहीं बच पाएंगे अमेरिकी कानून से

श्रुति व्यास

इट्स ऑफिशियल। तो डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की चार्जशीट। अगले साल छह जनवरी को लोकतंत्र को कुचलने के आरोप में शुरू होगा मुकदमा। पूर्व राष्ट्रपति पर चार आरोप हैं। अभियोजन ने कहा है कि ''चुनाव हारने के बाद भी प्रतिवादी (ट्रंप) सत्ता पर काबिज रहने के लिए दृढ़ संकल्पित थे"।

ट्रंप के खिलाफ इस नए मामले की सुनवाई का काम दो महिला जजों को सौंपा गया है। गुरूवार को पूर्व राष्ट्रपति अमेरिकी मजिस्ट्रेट जज मोक्सिला ए उपाध्याय के समक्ष पेश होंगे, जिन्हें सन् 2022 में आठ साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था। कोर्ट की वेबसाइट पर दिए गए विवरण के अनुसार, उनका जन्म भारत में हुआ था। उनका बचपन अमेरिका के कन्सास शहर में गुजरा। उन्होंने कानून की शिक्षा लेने के पहले पत्रकारिता की डिग्री हासिल की। छह जनवरी वाले प्रकरण की सुनवाई अमेरिका जिला न्यायालय की न्यायाधीश तान्या चुटकन करेंगीं जो पहले वकील थीं और जिन्हें फेडरल ब्रांच में बराक ओबामा द्वारा नियुक्त किया गया था।शक नहीं कि यह चार्ज कानून के राज, लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं की जीत है। लोकतंत्र-समर्थक विशेषज्ञों ने इसका स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे लोकतंत्र के विचार और उसकी पालना में लोगों का विश्वास फिर से स्थापित होगा। विशेष प्रोसिक्यूटर की इस घोषणा का स्वागत और सराहना दोनों है। इसलिए भी क्योंकि इससे ट्रंप और उनके समर्थकों द्वारा दी जा रही धमकियों के मद्देनजर अमेरिका की चुनाव व्यवस्था मजबूत होगी। अभियोग में ट्रंप पर चार आरोप हैं: अमेरिका से धोखाधड़ी करने की साजिश, आधिकारिक काम में बाधा डालने की साजिश, आधिकारिक काम में बाधा डालना और बाधा डालने का प्रयास करना तथा 2020 के चुनाव परिणामों को बदलने और सत्ता में बने रहने के लिए षड़यंत्र और सतत अनुचित प्रयास करना। अभियोग में छह सह-साजिशकर्ताओं की सूची भी दी गई है, जिन्होंने ट्रंप के सत्ता में बने रहने के प्रयासों में केंद्रीय भूमिका निभाई। हालांकि इनके नाम नहीं दिए गए हैं लेकिन इन छह में से पांच के बारे में जो विवरण है वह ट्रंप के वकीलों रूडी जुलियानी, सिडनी पावेल, जान ईस्टमेन, केन चेसब्रो और अमेरिकी न्याय विभाग के पूर्व अधिकारी जेफ क्लार्क से मेल खाता है।यह ट्रंप के सामने आने वाली कानूनी चुनौतियों की शुरूआत भर है। जॉर्जिया में फुलटोन काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी फेनी विलिस, ट्रंप पर धोखाधड़ी के आरोप लगाने की तैयारी कर रहे हैं। ये आरोप चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण इस राज्य

छह जनवरी की घटनाओं के बाद से ही इस बात की अनिश्चितता एवं इसे लेकर चिंता और भय बना हुआ है कि क्या अमेरिका ट्रंप और उनकी भडक़ाऊ हरकतों के खिलाफ कोई कार्यवाही करेगा? क्या 45वें राष्ट्रपति को सिर्फ इसलिए छोड़ दिया जाएगा कि वे एक समय दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर थे या अमेरिकी संस्थाएं— जो सबसे ताकतवर और विवेकवान मानी जातीं हैं— उस व्यक्ति का सामना करेंगी जो दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर था? कल की घोषणा से यह साफ और जोरदार संदेश गया है कि चाहे कोई भी हो, यदि वह भविष्य में ऐसा ही अलोकतांत्रिक कार्य करता है तो कानून और उसके लंबे हाथ उस तक पहुंचेंगे।

में ट्रंप द्वारा बाइडेन की जीत को पलटने के प्रयासों से संबंधित है। इस सबसे कुख्यात मामले में ट्रंप ने जॉर्जिया के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, रिपब्लिकन पार्टी के ब्रेड रेफेन्सपर्सजर को बाइडेन की हार के लिए जरूरी वोटों का 'जुगाड़' करने का निर्देश दिया था।छह जनवरी की घटनाओं के बाद से ही इस बात की अनिश्चितता एवं इसे लेकर चिंता और भय बना हुआ है कि क्या अमेरिका ट्रंप और उनकी भडक़ाऊ हरकतों के खिलाफ कोई कार्यवाही करेगा? क्या 45वें राष्ट्रपति को सिर्फ इसलिए छोड़ दिया जाएगा कि वे एक समय दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर थे या अमेरिकी संस्थाएं— जो सबसे ताकतवर और विवेकवान मानी जातीं हैं— उस व्यक्ति का सामना करेंगी जो दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर था?कल की घोषणा से यह साफ और जोरदार संदेश गया है कि चाहे कोई भी हो, यदि वह भविष्य में ऐसा ही अलोकतांत्रिक कार्य करता है तो कानून और उसके लंबे हाथ उस तक पहुंचेंगे।जहां तक ट्रंप का सवाल है, यहां से उनका राजनीतिक सफर जोखिम भरा होगा क्योंकि उन्हें लगभग अंतहीन कानूनी कार्यवाहियों के रूप में बहुत सी बाधाओं का सामना करना होगा। इन नए आरोपों की घोषणा के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि रिपब्लिकन पार्टी के नेता चुप हैं। पहले जब ट्रंप के खिलाफ आरोपों की घोषणा होती थी तब उनके पक्ष में जोरदार प्रतिक्रिया होती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। एक मसला पैसे का भी है। चुनाव अभियान जोर पकड़ रहा है लेकिन साथ ही कानूनी पचड़ों पर होने वाला खर्च भी बढ़ रहा है, जिससे उनकी सेव अमेरिकी पोलिटिकल एक्शन कमेटी के संसाधनों पर जबरदस्त दबाव पड़ रहा है। वे जितनी रकम हासिल करते हैं उससे ज्यादा खर्च कर देते हैं। और अभी मुकदमे की कार्यवाही के पूरी गति पकडऩे में दो महीने का समय है। तब इस पर करोड़ों डॉलर का खर्च आएगा।आने वाले महीनों में, जैसे-जैसे चुनावी गर्मी बढ़ेगी, ट्रंप को अलग-अलग डिस्ट्रिक्स और अदालतों के चक्कर लगाने पड़ेंगे। अक्टूबर में न्यूयॉर्क अटार्नी जनरल के व्यक्तिगत रूप से ट्रंप पर और ट्रंप आर्गेनाइजेशन पर 25 करोड़ डॉलर के दावे की कार्यवाही प्रारंभ होगी। 15 जनवरी 2024 को आयोवा में रिपब्लिकनों का सम्मलेन होगा और इसी दिन मानहानि के मामले में कार्यवाही शुरू होगीं। उसके बाद राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन के समय के आसपास आपराधिक मामलों की सुनवाई प्रारंभ होगी। आने वाले मार्च माह में ट्रंप पर स्ट्रॉर्मी डेनियल्स को मुंह बंद रखने के बदले पैसे देने के मामले की कार्यवाही शुरू होगी। इसके दो महीने बाद मई के अंत में सरकारी दस्तावेजों को गैर-कानूनी तरीके से अपने पास रखने के जो आरोप उन पर लगे हैं, उससे संबंधित मुकदमा शुरू होगा।ट्रंप इतिहास बना रहे हैं। वे ऐसे पहले व्यक्ति हैं जो राष्ट्रपति बनने की दौड़ में हैं और आपराधिक प्रकरणों का सामना भी कर रहे हैं। यदि वे 2024 का चुनाव जीत जाते हैं तो वे ऐसे पहले व्यक्ति बन सकते हैं जो व्हाइट हाउस जाने की बजाए जेल जाएगा। अमेरिका बदल गया है और वह और बदलेगा।

विटामिन-पी क्या है? जानिए इससे युक्त खाद्य पदार्थ और इसके फायदे

आपने कभी विटामिन-पी के बारे में सुना है? शायद नहीं क्योंकि यह कोई विटामिन नहीं है, बल्कि एक शब्द है और इसका उपयोग पौधों के यौगिकों के एक समूह के लिए किया जाता है। इसे फ्लेवोनोइड्स के रूप में जाना जाता है।फ्लेवोनोइड्स खाद्य पदार्थों को रंग देते हैं और इससे युक्त खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

फ्लेवोनोइड्स को विटामिन-पी क्यों कहा जाता है?

जब वैज्ञानिकों ने साल 1930 में इसे पहली बार संतरे से निकाला था, तब फ्लेवोनोइड्स को विटामिन- पी कहा जाता था क्योंकि तब इसे एक नए प्रकार का आवश्यक विटामिन माना गया था।हालांकि, जैसे-जैसे वैज्ञानिक ज्ञान उन्नत हुआ, यह स्पष्ट हो गया कि ये विटामिन के रूप में योग्य नहीं हैं।इसी कारण विटामिन- पी को फ्लेवोनोइड्स का नाम दिया गया और अब इसको पौधों में पाए जाने वाले लाभकारी फाइटोकेमिकल्स के समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है।

क्या हैं फ्लेवोनोइड्स?

फ्लेवोनोइड्स 6,000 से अधिक किस्म के पौधों के यौगिकों का एक विविध समूह है और पौधों के जीवन और अस्तित्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।पौधों में इनकी उपस्थिति के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें संक्रमण को रोकना, पौधों को सूरज और पर्यावरणीय तनाव से बचाना और परागण के लिए कीड़ों को आकर्षित करना आदि शामिल हैं।इसके अलावा फ्लेवोनोइड्स जामुन, चेरी और टमाटर जैसे फलों और सब्जियों को गहरे और जीवंत रंग भी प्रदान करते हैं।

फ्लेवोनोइड्स से मिलने वाले लाभ

फ्लेवोनोइड्स विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। इसका कारण है कि ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स जैसी प्रतिक्रिया प्रकट करते हैं।ये मस्तिष्क कोशिकाओं की रक्षा करके मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ रख सकते हैं।इसके अलावा फ्लेवोनोइड्स का सेवन टाइप-2 मधुमेह के जोखिम कम करने में भी सहायक है और फ्लेवोनोइड्स से हृदय रोग का खतरा भी कम हो सकता है।यही कारण है कि आपको विभिन्न रंग के खाद्य पदार्थ खाने चाहिए।

फ्लेवोनोइड्स के स्रोत

फ्लेवोनोइड्स पीले, नारंगी और लाल रंगों की सब्जियों और फलों में होते हैं। साथ ही ये आम, खुबानी, संतरे और अंगूर जैसे खट्टे फलों में भी पाए जाते हैं।इसके अन्य स्रोतों में नींबू और चेरी शामिल हैं। सब्जियों में गाजर, टमाटर, मिर्च, ब्रोकोली, प्याज और ओरिगैनो फ्लेवोनोइड्स से युक्त होते हैं।फ्लेवोनोइड्स को 70 प्रतिशत से अधिक कोको सामग्री के साथ ग्रीन टी, रेड वाइन और डार्क चॉकलेट से भी प्राप्त किया जा सकता है।

फ्लेवोनोइड्स की कमी से होने वाले नुकसान

शरीर में विटामिन- सी के उचित अवशोषण के लिए फ्लेवोनोइड्स जरूरी हैं।कमजोरी, थकावट, मांसपेशियों में दर्द, मसूड़ों से खून आना और मुंह में दरारें होना आदि लक्षण भी तभी सामने आते हैं, जब शरीर में फ्लेवोनोइड्स की कमी होती है।चेहरे की झुर्रियों के आसपास हल्का-हल्का रक्तस्राव दिखना भी फ्लेवोनोइड्स की कमी का संकेत हो सकता है।

ज्ञानवापी में जारी सर्वे पर 12 बजे के बाद लगेगी ब्रेक, खाली कर दिया जाएगा परिसर

वाराणसी ,(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (एएसआइ) की टीम ने सर्वे फिर से शुरू कर दिया है। सर्वे के मद्देनजर जिले की पुलिस और प्रशासनिक महकमा हाई अलर्ट पर है। साथ ही परिसर के पास पुलिस ने सुरक्षा भी कड़ी कर दी है। इसके साथ ही वाराणसी में हाई अलर्ट है।

ज्ञानवापी में एएसआई का सर्वे 12 बजे तक चलेगा, उसके बाद सर्वे पर ब्रेक लग जाएगी। दरअसल, शुक्रवार को ज्ञानवापी परिसर में नमाज अदा की जाती है, जिसके मद्देनजर परिसर को खाली करवाया जाएगा। इसके बाद नमाज के लिए एएसआई की टीम परिसर छोड़ देगी। 12 बजे के बाद सर्वे को थोड़ी देर के लिए रोका जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि शाम को 3 से 5 बजे तक सर्वे फिर से शुरु हो सकता है।

न्यूयॉर्क में पटरी से उतरी ट्रेन, 13 लोग घायल

न्यूयॉर्क ,एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतर जाने से कम से कम 13 लोग घायल हो गए। मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी (एमटीए) के एक अधिकारी ने बचाा ति एक लॉन्ग आइलैंड रेल रोड ट्रेन हेम्पस्टेड की ओर जा रही थी। इसी दौरान वह पूर्वाह्न लगभग 11.12 बजे शहर के क्वींस बरो में 175वीं स्ट्रीट और 95वें एवेन्यू पर जमैका स्टेशन के पूर्व में पटरी से उतर गई।

एमटीए के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जान्नो लिबर ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ट्रेन की सभी आठ कारें पटरी से उतर गईं। जिन लोगों को चोट लगी है उन्हें पैर और पीठ में चोटें आई हैं। उनमें से किसी की भी स्थिति गंभीर नहीं है। वीडियो फुटेज में अग्निशामकों को घटनास्थल पर यात्रियों को पटरी से उतरी ट्रेन से एक बचाव ट्रेन में स्थानांतरित करते हुए दिखाया गया है, जिसमें दोनों को जोड़ने वाला एक छोटा मंच है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सभी यात्री और रेल कर्मचारी सुरक्षित हैं और ट्रेन सेवा जल्द से जल्द फिर से शुरू हो जाए। ट्रेन के पटरी से उतरने का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है। एमटीए अधिकारियों ने कहा कि सेवा में व्यवधान शुक्रवार सुबह तक जारी रहने की संभावना है।

न्यूजीलैंड ने भविष्य के लिए रक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा का रोडमैप जारी किया

वेलिंगटन ,एजेंसी। न्यूजीलैंड सरकार ने जटिल और विघटनकारी सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहे विश्व में पहली बार रक्षा विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपनी रणनीति जारी की है। न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्रीक्रिस हिपकिंस ने शुक्रवार को रक्षा नीति समीक्षा और न्यूजीलैंड की पहली राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करते समय रक्षा बल से जोखिमों पर स्पष्ट नजर रखने और प्रभावी होने के लिए सही क्षमताओं का प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्षा नीति रणनीति वक्तव्य न्यूजीलैंड के रक्षा लक्ष्यों और उन्हें कैसे प्राप्त किया जाए, को निर्धारित करता है। वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय के लिए सरकार का निर्देश है कि बदले हुए माहौल में कैसे काम किया जाए। वहीं, रक्षा मंत्री एंड्रयू लिटिल ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने वाले क्षेत्रों में युद्ध-सक्षम रक्षा बल और व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली में निवेश शामिल है। साथ ही इसमें दुष्प्रचार जैसे उभरते मुद्दों से निपटना और आर्थिक सुरक्षा जैसे उन क्षेत्रों में अधिक ठोस प्रयास करना, जहां खतरे बढ़ रहे हैं को भी शामिल किया गया है।

मोदी सरनेम: राहुल को सबसे बड़ी राहत,सुको ने मानहानि मामले में सजा पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी उपनाम आपराधिक मानहानि मामले में दो वर्षों की सजा पर शुक्रवार को रोक लगा दी। गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने की याचिका खारिज किए जाने के बाद निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार की शीर्ष अदालत की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया। पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि निचली अदालत ने (राहुल गांधी को) अपराधिक मानहानि की सजा के तौर पर भारतीय दंड संहिता के तहत निर्धारित अधिकतम दो सालों की सजा देने के पीछे कोई विशेष वजह नहीं बताई। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में सजा और जुर्माने दोनों के प्रावधान हैं।

पीठ में गुजरात उच्च न्यायालय के इस संदर्भ में राहुल गांधी की अपील खारिज करने के फैसले पर कहा कि दोषसिद्धि पर रोक को खारिज करने के लिए काफी पन्ने खर्च किए हैं, लेकिन उनके (उच्च न्यायालय के) आदेशों में इन पहलुओं (अधिकतम सजा देने के कारणों) पर विचार नहीं किया गया है। उच्चतम न्यायालय ने 'मोदी सरनेम' यानी मोदी उपनाम की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता श्री गांधी को अपराधिक मानहानि का दोषी ठहराए जाने के खिलाफ दायर उनकी विशेष अनुमति याचिका पर 21 जुलाई को पूर्णेश मोदी और गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया था। कांग्रेस नेता के वर्ष 2019 की एक टिप्पणी के मामले में आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराए जाने और इसके लिए दो साल की सजा देने के मामले में निचली अदालत के फैसले पर मुहर लगाने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के सात जुलाई के फैसले के खिलाफ 15 जुलाई,

बहाल हो सकती है राहुल की सांसदी

अधीर रंजन बोले– यह खुशी का दिन, गहलोत ने कहा– ये सत्य और न्याय की जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश में 'मोदी सरनेम' टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करते हुए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि 'यह खुशी का दिन है... 'मैं आज ही लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखूंगा और बात करूंगा।" कांग्रेस नेता ने कहा, "संसद परिसर में हर जगह आपको 'सत्यमेव जयते' दिखेगा। राहुल गांधी के खिलाफ साजिश आज नाकाम हो गई है। राहुल गांधी की जीत मोदी जी पर भारी पड़ेगी।"

कांग्रेस नेता और राहुल गांधी की छोटी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा, "सत्यमेव जयते"।

वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने लिखा, "सत्यमेव जयते माननीय सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी जी की सजा पर रोक का फैसला करके लोकतंत्र की आवाज़ को मजबूत किया है। क्ब्उक्त्अ की आवाज़ अब फिर संसद में गूंजेगी...जनता के अधिकारों की आवाज़ को मजबूत करने के लिए माननीय न्यायालय का आभार।"

दूसरी ओर, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत मिलने पर कहा कि यह सच्चाई और न्याय की जीत है। गहलोत ने ट्वीट किया, "राहुल गांधी पर मानहानि के मुकदमे में सजा पर रोक का सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य है। यह सच्चाई एवं न्याय की जीत है।" श्री राहुल गांधी पर मानहानि के मुकदमे में सजा पर रोक का सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य है। यह सच्चाई एवं न्याय की जीत है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राहत देते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट के आदेश के प्रभाव व्यापक हैं। इससे न केवल राहुल गांधी का सार्वजनिक जीवन में बने रहने का अधिकार प्रभावित हुआ, बल्कि उन्हें चुनने वाले मतदाताओं का अधिकार भी प्रभावित हुआ। मोदी' उपनाम टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि निचली अदालत के न्यायाधीश द्वारा अधिकतम सजा देने का कोई कारण नहीं बताया गया है, अंतिम फैसला आने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है।

सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर राग तो भारत ने दी नसीहत; कहा– अपने पर ध्यान दें

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन में परामर्शदाता आर मधु सूदन ने गुरुवार को कहा, 'मेरा सुझाव है कि संबंधित प्रतिनिधिमंडल मेरे देश के खिलाफ तुच्छ आरोपों में शामिल होने के बजाय पाकिस्तान अपने आंतरिक मामलों को हल करने और अपनी सीमाओं के भीतर व्यवस्था बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करें।'

बार-बार कश्मीर का राग अलापने वाले पाकिस्तान को भारत ने फिर नसीहत दी है। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह कश्मीर मुद्दा उठाने और भारत के खिलाफ तुच्छ आरोप लगाने के बजाय अपने आंतरिक मामलों पर ध्यान दे।

भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन में परामर्शदाता आर मधु सूदन ने गुरुवार को कहा, 'मेरा सुझाव है कि संबंधित प्रतिनिधिमंडल मेरे देश के खिलाफ तुच्छ आरोपों में शामिल होने के बजाय अपने आंतरिक मामलों को हल करने और अपनी सीमाओं के भीतर व्यवस्था बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करें।'

मधु सूदन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अकाल और संघर्ष-प्रेरित वैश्विक खाद्य असुरक्षा पर खुली बहस के दौरान एक पाकिस्तानी प्रतिनिधि द्वारा उठाए गए कश्मीर के मुद्दे का जवाब दे रहे थे। उन्होंने अपनी टिप्पणी में कहा, 'दुर्भाग्य से हमनें देखा कि खाद्य सुरक्षा के महत्वपूर्ण विषय से इस परिषद का ध्यान भटकाने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल ने फिर से इस मंच का दुरुपयोग किया।'

इस दौरान उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर समझौता नहीं किया जा सकता है।

सुरक्षा खामियों के कारण लगाया गया लैपटॉप के आयात पर प्रतिबंध, लाइसेंस होगा अनिवार्य

नई दिल्ली , एजेंसी। अंतर्निहित सुरक्षा खामियों के कारण केंद्र सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर और अल्ट्रा-स्मॉल कंप्यूटर और सर्वर के आयात पर प्रतिबंध लगाया है। इस संबंध में गुरुवार को ही अधिसूचना विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी की गई थी। हालांकि, कुछ शर्तों के साथ इनका आयात किया जा सकेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि भारत में आईटी हार्डवेयर उपकरणों के निर्माण के लिए पर्याप्त क्षमता है और इन उत्पादों के आयात करने के लिए खरीदारों की अनुमति की आवश्यकता किसी भी तरह से घरेलू उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगी। सूत्रों ने कहा कि भारत में इंटरनेट सभी उपयोगकर्ताओं के लिए 'खुला, सुरक्षित और विश्वसनीय और जवाबदेह' हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इंटरनेट के विस्तार और अधिकतम भारतीयों के ऑनलाइन आने के साथ साइबर आपराधिकता की संभावना भी बढ़ गई है। साइबर सुरक्षा खतरों की विभिन्न घटनाएं भी सामने आई हैं।

सूत्रों का कहना है कि आईटी हार्डवेयर में हार्डवेयर बैकडोर और फर्मवेयर मैलवेयर जैसी अंतर्निहित सुरक्षा खामियां संभावित रूप से संवेदनशील व्यक्तिगत और एंटरप्राइज डाटा को खतरे में डाल सकती हैं। सुरक्षित हार्डवेयर प्रदान करना सुरक्षा की नींव है। सरकार ने देश और उसके नागरिकों के सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए यह प्रतिबंध लगाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, गैर-टैरिफ बाधा आयात पर प्रतिबंध नहीं है। डीजीएफटी से वैध लाइसेंस प्राप्त करने के बाद कंपनियां या व्यापारी आईटी हार्डवेयर उपकरणों का आयात कर सकते हैं।

दरअसल, डीजीएफटी ने एक पोर्टल तैयार किया है, और कंपनियां/व्यापारी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने और जानकारी सही होने पर डीजीएफटी 3/4 दिनों के भीतर लाइसेंस जारी कर देगा।

आईटी मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि सरकार लैपटॉप और अन्य उत्पादों के आयात के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए कंपनियों को अधिक समय दे सकती है, जिससे आयात प्रतिबंधों की निर्धारित समयसीमा बढ़ जाएगी। यह कदम कंपनियों के लिए आंशिक राहत दे सकता है। हालांकि, समयसीमा कब तक के लिए बढ़ाई जा सकती है इसको लेकर कोई जानकारी नहीं आई है और न सरकार ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा की है। सूत्रों ने कहा कि एक महीने या उससे ज्यादा समय के लिए समयसीमा बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस पर डीजीएफटी जल्द नोटिस जारी कर सकती है।

आईटी हार्डवेयर के लिए हाल ही में नवीनीकृत उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इन उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया गया है। साथ ही सरकार के इस फैसले से चीन और कोरिया जैसे देशों से इन सामानों के आने वाले शिपमेंट पर भी कटौती की है। इस उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध के पीछे अंतर्निहित सुरक्षा खामियों को भी वजह बताया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर का कहना है कि लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के आयात के लिए लाइसेंस की आवश्यकता लागू करने के भारत के फैसले से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

लैपटॉप, टैबलेट और कंप्यूटर के आयात पर प्रतिबंध को लेकर सरकार ने साफ तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन इन प्रतिबंधों का पहला कारण मेड इन इंडिया को बढ़ावा देना हो सकता है। वहीं कुछ हार्डवेयर में संभावित रूप से सुरक्षा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, जिसको लेकर यह पाबंदी लगाई गई है। प्रतिबंध के तहत अब उत्पादों को आयात के लिए सरकार से लाइसेंस या अनुमति की आवश्यकता होगी।

सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर और अल्ट्रा-स्मॉल कंप्यूटर और सर्वर सहित एचएसएन 8741के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की सात श्रेणियों के आयात पर प्रतिबंध लगाया है। बता दें कि हार्मोनाइज्ड सिस्टम ऑफ नॉमेनक्लेचर (ल्रठ) कोड एक वर्गीकरण प्रणाली है, जिसका इस्तेमाल उत्पादों की पहचान करने और उन पर टैक्स लगाने के लिए किया जाता है।

सरकार की ओर से जारी इस अधिसूचना में कहा गया है कि लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर और अल्ट्रा-स्मॉल कंप्यूटर और सर्वर के आयात को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है, हालांकि कुछ शर्तों के साथ इनका आयात होगा। यह अधिसूचना अधिसूचना विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी की गई।

मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि एक शर्त के साथ आयात की अनुमति दी जाएगी कि आयातित सामान का उपयोग केवल बताए गए उद्देश्यों के लिए किया जाएगा ना कि बेचा जाएगा। इसके अलावा शर्त में यह भी शामिल है कि इस्तेमाल के बाद उत्पादों को नष्ट कर दिया जाएगा या फिर से निर्यात किया जाएगा। साथ ही ऐसे किसी भी आयात के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होगी।

मूसेवाला मर्डर केस पर बड़ा खुलासा

सचिन बिश्नोई ने उगले राज, गाड़ी से लेकर हथियार तक की बात पुलिस को बताई

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की साजिश दिल्ली की तिहाड़ जेल में रची गई थी। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने इस साजिश के बारे में कनाडा में बैठे गोल्डी बरार व अनमोल सचिन को बताया था। इसके बाद लॉरेंस बिश्नोई ने अपने रिश्तेदार सचिन बिश्नोई को फोन कर सिद्धू की हत्या करने के लिए कहा था। ये बड़ा खुलासा दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की गिरफ्त में मौजूद सचिन बिश्नोई ने पूछताछ में किया है।

गैंगस्टर सचिन बिश्नोई ने पूछताछ में बताया कि लॉरेंस ने उसे यह कहकर विदेश जाने को कहा था कि यहां पर बड़ा कांड होने वाला है। वह बाहर चला जाए। इसके बाद वह फर्जी वीजा से दुबई चला गया था। वहां लॉरेंस बिश्नोई ने उससे फोन पर कहा था कि गोल्डी बरार व अनमोल बिश्नोई के टच में रहना। पंजाब के गायक सिद्धू मूसेवाला का काम करना है। इसके बाद सचिन गोल्डी बरार व अनमोल के संपर्क में रहने लगा।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गोल्डी बरार ने सचिन को एक गाड़ी का इंतजाम करने को कहा था। सचिन ने राजस्थान के गैंगस्टर रोहित गोदारा (इस समय विदेश में है) से कहकर बोलेरो कार का इंतजाम किया था। राजस्थान नंबर की इस कार को राजस्थान से पंजाबी गायब की हत्या करने वाले शूटर प्रियव्रत व अन्य पंजाब लेकर गए थे।

इसी कार का हत्या में इस्तेमाल किया गया था। सचिन ने ये भी खुलासा किया है कि हत्या के लिए हथियारों का इंतजाम करने को कहा था। गोल्डी बरार के कहने पर सचिन ने हथियारों को एक दिन अपने पास रखा था। उसे हथियार भिवानी में गोल्डी बरार का आदमी देकर गया था।

जल प्रदूषण : कर्नाटक में मरने वालों की संख्या हुई चार, 149 अस्पताल में भर्ती

चित्रदुर्ग, (एजेंसी)। चित्रदुर्ग जिले के कवाडीगरहट्टी में जल प्रदूषण मामले में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढक़र चार हो गई, साथ ही अस्पताल में भर्ती लोगों की संख्या भी 36 से बढक़र 149 हो गई है।

स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, जिन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है उनमें से कई की हालत गंभीर है।चित्रदुर्ग के बसवेश्वरा अस्पताल में भर्ती 50 वर्षीय रुद्रप्पा की आज सुबह उल्टी और दस्त के कारण मौत हो गई।

जल प्रदूषण की घटना 31 जुलाई को दर्ज की गई थी। चित्रदुर्ग के बाहरी इलाके कवाडीगरहट्टी के निवासी मंजुला (23) और रघु (27) की दूषित पानी पीने से मृत्यु हो गई थी और 36 अन्य बीमार पड़ गए थे। प्रवीण, जो 30 जुलाई को गांव में अपने रिश्तेदारों से मिलने गए थे, अगले दिन वड्डारसिद्दनहल्ली में उनकी मृत्यु हो गई।

देश के 35 शहरों में टमाटर के दाम 200 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं। जुलाई में सरकार द्वारा रियायती दरों पर टमाटर बेचना शुरू करने के बाद देश के कई हिस्सों में टमाटर की कीमतें कुछ समय के लिए कम हो गईं। हालांकि, बीते कुछ दिनों से टमाटर की कीमतें एक बार फिर से बढ़ने लगी हैं। जहां एक हफ्ते पहले एक किलो टमाटर की औसत कीमत 121.72 रूपये थी वो अब बढ़कर 140.1 रूपये हो गई है।

टमाटर के दाम बढ़ने से लोग परेशान हैं। कई लोग सब्जियों में टमाटर का इस्तेमाल करना भी बंद कर चुके हैं। इस बीच हमें जानना जरूरी है कि टमाटर के दाम देश के अलग-अलग हिस्सों में क्या हैं? अभी कीमतें क्यों बढ़ रही हैं? क्या आगे राहत मिलेगी और स्थिति से निपटने के लिए सरकार क्या कर रही है?

देशभर में टमाटर के खुदरा दाम बढ़ गए हैं। जून में कीमतें 40 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर जुलाई के पहले सप्ताह में औसतन 100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। उपभोक्ता मामले विभाग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, तीन अगस्त को टमाटर की औसत कीमत 140.1 रुपये/किलो, अधिकतम कीमत 257 रुपये/किलो, न्यूनतम कीमत 40 रुपये/किलो और मॉडल कीमत 120 रुपये/किलो रही।

इसी विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 27 जुलाई को टमाटर की औसत कीमत 121.72 रुपये/किलो, अधिकतम कीमत 193 रुपये/किलो, न्यूनतम कीमत 42 रुपये/किलो और मॉडल कीमत 120 रुपये/किलो थी। उपभोक्ता मामले विभाग के मुताबिक, देश में कम से कम 35 शहरों में टमाटर की कीमत 200 रुपये/किलो या इससे ज्यादा है। सबसे ज्यादा टमाटर के दाम 257 रुपये/किलो बुलन्दशहर में है। इसके बाद गौतमबुद्ध नगर में कीमत 248, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में 247, भरतपुर में 240 और धर्मशाला में 237 रुपये/किलो है।

आंकड़ों के अनुसार, पूरे देश में कम से कम 59 शहर ऐसे हैं जहां टमाटर के दाम 100 रुपये प्रति किलो से कम हैं। सबसे कम कीमत धर्मनगर में है। यहां एक किलो टमाटर 40 रुपये में मिल रहा है। इसके बाद अशोकनगर में दाम 50, लॉन्गत्लाई में 52, गोलाघाट में 55 और करीमगंज में 57 रुपये/किलो है। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से टमाटर की आपूर्ति में काफी गिरावट आई है क्योंकि उनका अपना स्टॉक खत्म हो रहा है। सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में टमाटर की खरीद शुरू करने और उन्हें उत्तर भारत के शहरों में भेजने के बाद, खरीद में तेजी आई है। दिल्ली में लोगों के लिए सरकार द्वारा उन्हें 90 प्रति किलोग्राम और फिर 70 प्रति किलोग्राम पर बेचने के बाद उन्होंने उन्हें फिर से खरीदना शुरू कर दिया। हालांकि, आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं हो सकी।

उधर, हिमाचल प्रदेश में टमाटर की लगभग 80 फीसदी फसल बाढ़ से नष्ट हो गई। बेंगलूरु में खराब मौसम के कारण 40-50 फीसदी टमाटर खराब हो गए। वर्तमान में, आजादपुर मंडी में टमाटर की रोजाना आपूर्ति सामान्य 18-22 टन के मुकाबले लगभग 10-12 टन है। महाराष्ट्र से टमाटर की आवक शुरू होने से पहले, जून-अगस्त के दौरान बेंगलुरु और हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत की मांग को पूरा करते हैं।

मदर डेयरी के प्रवक्ता के अनुसार, 'बेमौसम बारिश के कारण पिछले दो महीनों से देशभर में टमाटर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पिछले दिनों दिल्ली की मुख्य मंडी आजादपुर में भी टमाटर की आवक में भारी गिरावट आई है। कम आपूर्ति के कारण थोक में कीमतें तेजी से बढ़ी हैं,

तुर्किये ने इस साल 942 आतंकवादियों को किया निष्प्रभावी

अंकारा ,एजेंसी। तुर्किये ने जनवरी से अब तक 942 'आतंकवादियों' को 'निष्प्रभावी' किया है। यह जानकारी तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में दी। गौरतलब है कि तुर्किये के अधिकारी अक्सर 'निष्प्रभावी' शब्द का उपयोग यह दर्शाने के लिए करते हैं कि 'आतंकवादियों' ने आत्मसमर्पण कर दिया है या मारे गए हैं या पकड़े गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा सुरक्षा बलों ने अवैध रूप से सीमा पार करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान अन्य 347 'आतंकवादियों' को गिरफ्तार किया है। तुर्किये के सुरक्षा बल वर्षों से देश भर में और पड़ोसी इराक तथा सीरिया में 'आतंकवादियों' के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

एंडी फ्लावर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर पुरुष टीम के मुख्य कोच नियुक्त

बेंगलुरु एंडी फ्लावर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले साल के संस्करण से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। फ्लावर संजय बांगर की जगह लेंगे, जो 2023 आईपीएल तक फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच थे, जहां टीम चार सीजन में पहली बार प्लेऑफ़ में प्रवेश करने में असमर्थ रही।

फ्रैंचाइज़ी ने यह भी पुष्टि की कि बांगड़ के अलावा, वे माइक हेसन के अनुबंध को नवीनीकृत नहीं कर रहे हैं, जो क्रिकेट संचालन के निदेशक थे, जो कि आंतरिक समीक्षा के हिस्से के रूप में टीम ने पिछले सीजन के अंत के बाद लिया था। आरसीबी के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होने पर फ्लावर ने कहा, मैं माइक हेसन और संजय बांगड़ द्वारा किए गए काम को पहचानता हूं, जो दो कोच हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, और मैं आरसीबी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की चुनौती के लिए तत्पर हूं। मैं फाफ के साथ फिर से जुड़ने के लिए विशेष रूप से उत्साहित हूं। हमने अतीत में एक साथ बहुत अच्छा काम किया है और मैं अपनी साझेदारी और रिश्ते को कुछ बड़ा और बेहतर बनाने के लिए उत्सुक हूं।

फ्लावर ने कहा, हमारे पास काम करने के लिए खिलाड़ियों की एक रोमांचक सूची है, और मैं आरसीबी के साथ अद्भुत अवसर के साथ-साथ भूमिका के साथ आने वाली जिम्मेदारी को भी पहचानता हूं और उसका आनंद लूंगा। यह एक बड़ी चुनौती है और मैं इसे शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। फ्लावर ने हाल ही में लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच के रूप में काम किया था, और टीम को आईपीएल 2022 और 2023 में प्लेऑफ़ तक पहुंचाया था, उनकी जगह यह भूमिका ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने ले ली थी।

फ्लावर ने कोचिंग सर्किट में अपना एक चमकता नाम बनाया है। उन्होंने इंग्लैंड को 2009 और 2013 में घरेलू सरजमीं पर और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 2010-11 में ऑस्ट्रेलिया में एशेज जीत दिलाई। वह वेस्टइंडीज में 2010 पुरुष टी20 विश्व कप खिताब जीतने वाले इंग्लैंड के मुख्य कोच भी थे।

2014 में इंग्लैंड के मुख्य कोच के रूप में पद छोड़ने के बाद, फ्लावर अगले पांच वर्षों के लिए इंग्लैंड के पाथवे सिस्टम में काम करने लगे। इसके बाद उन्होंने नव-निर्मित लखनऊ फ्रेंचाइजी में शामिल होने से पहले दो सीजन के लिए आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए सहायक कोच के रूप में काम किया। उन्होंने पिछले साल मेन्स हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स को खिताब दिलाने के अलावा, यूएई की आईएल टी20 प्रतियोगिता में विजयी हुए गल्फ जायंट्स के मुख्य कोच और इस साल की शुरुआत में मुल्तान सुल्तांस के पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) जीतने के अलावा मुख्य कोच के रूप में भी काम किया।

जमशेदपुर एफसी ने मोहम्मद सनन के साथ 3 साल का किया करार

जमशेदपुर , जमशेदपुर एफसी ने रिलायंस फाउंडेशन यंग चैम्प्स टीम से युवा फॉरवर्ड मोहम्मद सनन के साथ तीन साल का करार किया।मोहम्मद सनन मैदान पर काफी एक्टिव और स्वाभाविक रूप से आक्रमक खिलाड़ी है, जो मौके बनाने और गोल करने में सक्षम है। वह 2016 में रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) में शामिल हुए और तब से क्लब के साथ हैं।19 वर्षीय ये खिलाड़ी केरल का रहने वाला है और उसके पास प्रभावशाली ड्रिब्लिंग क्षमता है। उसने कड़ी मेहनत करके और अपनी तकनीक को बेहतर बनाने के लिए काफी मेहनत की है। जमशेदपुर एफसी के अनुसार, फारवर्ड दोनों पैरों से प्रतिभाशाली है और अपनी शूटिंग और गोल के सामने फिनिशिंग में कुशल है। सनन ने कहा, जमशेदपुर एफसी का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास है। टाटा फुटबॉल अकादमी (टीएफए) के गौरवशाली इतिहास के कारण यह क्लब देश में युवा फुटबॉल के लिए शिखर है और मेरा मानना है कि यह आगे बढ़ने के लिए एक आदर्श कदम होगा। मैं इस सीजन में जितना संभव हो उतना सीखने और टीम की मदद करने के लिए उत्सुक हूं। आरएफवाईसी ने कहा, हमें सनन के साथ अनुबंध करने पर खुशी है। हमें यकीन है कि वह 2023-24 सीजन से पहले जमशेदपुर एफसी जैसे क्लब के साथ रहकर अपने कौशल और क्षमता को और बढ़ाएंगे। हमें उनकी उपलब्धि पर गर्व है और हम कामना करते हैं कि वह आगे भी कई बड़े मुकाम हासिल करें।

जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच स्कॉट कूपर ने कहा, सनन बहुत अच्छा युवा खिलाड़ी है, जिसे समझारी से विकसित करने और आगे लाने की जरूरत है। हम उनके कुछ बेहतरीन तकनीकी क्षमता देख सकते हैं और अब हमारा काम उसे निखारना है।

स्टोक्स-मैकुलम ने पिछले साल ब्रॉड को संन्यास लेने से रोका था : एंडरसन

लंदन , इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने खुलासा किया कि स्टुअर्ट ब्रॉड ने पिछले सीजन में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बारे में सोचा था, लेकिन टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था।टेस्ट में 604 विकेट के साथ, स्टुअर्ट ब्रॉड इस प्रारूप में विकेट लेने वालों की सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं और 600 से अधिक विकेट लेने वाले केवल दो तेज गेंदबाजों में से एक हैं। दूसरे तेज गेंदबाज एंडरसन हैं। ब्रॉड ने अगस्त 2006 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से 121 एकदिवसीय मैचों में 178 विकेट और 56 टी20 में 65 विकेट लिए हैं।

एंडरसन ने कहा, तीसरे दिन के खेल के लिए टीम बस में चढ़ने से पहले स्टुअर्ट ने मुझे कॉफी पर अपने संन्यास के बारे में बताया। शुरू में मुझे थोड़ा झटका लगा। लेकिन उसकी बात सुनने के बाद मैंने उसका समर्थन किया। उसने मुझे बताया कि वो पिछले सीजन में भी इसके बारे में सोच रहा था, मगर स्टोक्स और मैकुलम ने उसे रोक लिया था। एंडरसन ने द टेलीग्राफ के लिए अपने कॉलम में लिखा, हमने ओवल में पांचवें दिन बल्लेबाजी के लिए जाने की तस्वीर के बारे में बात की। यह निश्चित रूप से एक ऐसी तस्वीर है जिसे मैं अपने घर में लगाना चाहूंगा।

दिल्ली कोर्ट ने मानहानि मामले में बजरंग पुनिया को भेजा समन

नई दिल्ली , दिल्ली की एक अदालत ने पहलवान बजरंग पुनिया को कुश्ती कोच नरेश दहिया द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर 6 सितंबर को तलब किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिला पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान 10 मई को जंतर-मंतर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पुनिया ने अन्य पहलवानों/व्यक्तियों के साथ मिलकर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने कहा कि उनका मानना है कि मानहानि के सभी तत्व इस मामले में मौजूद हैं।

रोमांचक मुकाबले में वेस्ट इंडीज ने भारत को चार रन से दी मात

तारोबा , वेस्ट इंडीज ने रोवमैन पॉवेल (32 गेंद, 48 रन) की कप्तानी पारी के बाद जेसन होल्डर (19/2) की अगुवाई में गेंदबाजों के साहसी प्रदर्शन की बदौलत पहले टी20 मैच में भारत को चार रन से मात दी। वेस्ट इंडीज ने भारत के सामने 150 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में भारतीय टीम नौ विकेट गंवाकर 145 रन ही बना सकी। विंडीज के लिये भले ही कोई बल्लेबाज अर्द्धशतक नहीं बना सका, लेकिन पॉवेल और निकोलस पूरन (34 गेंद, 41 रन) की पारियों ने मेज़बान टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा दिया।

भारत 15 ओवर में 113 रन बनाकर लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था, लेकिन कैरिबियाई टीम ने आखिरी पांच ओवरों में पांच विकेट चटकाते हुए सिर्फ 32 रन देकर जीत हासिल कर ली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पावरप्ले में वेस्ट इंडीज के एकमात्र स्पिनर अकील हुसैन का सामना करना पड़ा। अकील ने पहले ओवर में सिर्फ तीन रन दिये और तीसरे ओवर में शुभमन गिल (तीन) को पवेलियन का रास्ता दिखाया। ईशान किशन (छह) भी छोटे स्कोर पर आउट हुए, हालांकि अपना पहला मैच खेल रहे तिलक वर्मा ने दो छक्कों के साथ अपना खाता खोला और भारत को पावरप्ले में 45 रन तक पहुंचाया।

तिलक ने सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिये 39 रन जोड़े ही थे कि दोनों बल्लेबाज 10 गेंदों के अंदर पवेलियन लौट गये। सूर्यकुमार ने 21 गेंद पर 21 रन बनाये, जबकि तिलक ने 22 गेंद पर दो चौके और तीन छक्के लगाकर 39 रन की पारी खेली।

तिलक की पारी ने मैच को भारत के पक्ष में झुका दिया, हालांकि ब्रायन लारा स्टेडियम की धीमी पड़ती पिच पर रन बनाना लगातार मुश्किल होता गया।

फिल्मी दुनियां

गन्स एंड गुलाब से राजकुमार राव का फर्स्ट लुक जारी, सीरीज 18 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार भीड़ में देखा गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी। राजकुमार जल्द ही वेब सीरीज गन्स एंड गुलाब में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगे।इस-ाका निर्देशन जानी-मानी निर्देशक जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डीके ने किया है।अब निर्माताओं ने गन्स एंड गुलाब में राजकुमार के किरदार पाना टीपू से मिलवाया है, जिसमें वह धांसू अवतार में नजर आ रहे हैं।

राज और डीके ने ट्विटर पर गन्स एंड गुलाब का मोशन पोस्टर जारी किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, स्वैग और स्टाइल... एक स्पैनर के साथ आ रहा है। पाना टीपू का परिचय। सीरीज गन्स एंड गुलाब का ट्रेलर 2 अगस्त जारी किया जाएगा।इसमें राजकुमार के अलावा दुलकर सलमान, गुलशन देवैया और आदर्श गौरव भी नजर आएंगे।

गन्स एंड गुलाब्स ऋइम-रोमांटिक-ड्रामा सीरीज है। राज और डीके द्वारा निर्मित इस वेब शो में अभिनेता राजकुमार राव, पानाधारी टीपू की भूमिका में नजर आने वाले हैं। मोशन पोस्टर में अभिनेता अपने लुक और अंदाज से 90 के दशक की याद दिला रहे हैं। पोस्टर को साझा करते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया ने कैप्शन में लिखा है, पाना लेकर आ रहा हूं, दिलों पर राज करने। स्वागत तो करोगे ना? गन्स एंड गुलाब का धमाकेदार ट्रेलर, सिर्फ तीन दिनों में आपके पास आ रहा है।गन्स एंड गुलाब्स वेब सीरीज में राजकुमार राव का किरदार टीपू अपने प्यार और दोस्ती के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहता है। वहीं, इस मोशन पोस्टर ने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इसे देखने के बाद फैंस उनके शक्तिशाली और आकर्षक व्यक्तित्व को एक्शन में देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। यह शो पानाधारी टीपू के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसे बहुमुखी अभिनेता राजकुमार राव ने निभाया है।

गन्स एंड गुलाब ओटीटी प्लेट-फॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी। यह सीरीज 18 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

वरुण तेज अभिनीत गांडीवधारी अर्जुन का टीजर रिलीज़

वरुण तेज अभिनीत गांडीवधारी अर्जुन का पहला आधिकारिक टीज़र आउट हो गया है और यह शानदार एक्शन से भरपूर है। एसवीसीसी के आधिकारिक हैंडल ने टीज़र को सोशल मीडिया पर साझा किया।यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है जो एक विशेष एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक वायरल-आतंकी-हमले से बचने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसका मिशन तब व्यक्तिगत हो जाता है जब उसके प्रियजन खतरे में पड़ जाते हैं।

बंदूकें, विस्फोट, कार का पीछा और अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट, टीज़र में सब कुछ है।फिल्म में साक्षी वैद्य, नासर, विमला रमन, विनय राय, नारायण, रोशिनी प्रकाश, मनीष चौधरी, अभिनव गोमतम, रवि वर्मा, कल्पलता और बेबी वेदा भी हैं।

शोभिता धुलिपाला की मेड इन हेवन 2 का ट्रेलर जारी

अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।यह सीरीज साल 2019 में आई मेड इन हेवन का सीक्वल है, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।अब निर्माताओं ने मंगलवार को मेड इन हेवन 2 का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी बेहद दिलचस्प लग रही है। मेड इन हेवन 2 का प्रीमियर 10 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। मेड इन हेवन सीजन 2 का ट्रेलर इसके मेन किरदार के जीवन के बारे में बताता है, जो सीजन 1 में एक ऐसे पड़ाव पर थे, जब उन्हें एक बहुत ही अहम फैसला लेना था। नई दुल्हनों और नई चुनौतियों के साथ वेडिंग प्लानर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की परेशानियों से जूझते हुए। इसमें रोमांस, ड्रामा और शादियों के साथ-साथ जाने- पहचाने, नए चेहरों और दिल छू लेने वाली कहानी देखने को मिलेगी। शोभिता धूलिपाला ने बताया, मेड इन हेवन सीजन 2 में तारा के रूप में वापस आना अच्छा लगता है। मेरे लिए तारा का सर आकर्षक होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है, क्योंकि वह भव्य शादियों की योजना बनाते हुए आदिल और फैजा के साथ अपने निजी जीवन को आगे बढ़ाती है। दूसरे सीजन की शूटिंग के लिए मैंने बहुत ही अविश्वसनीय समय दिया और मुझे लगता है कि यह सीजन हमारे दर्शकों को और भी अधिक पसंद आएगा।

एटली और वरुण धवन की आगामी फिल्म का हिस्सा बनीं वामिक गब्बी, जल्द शुरू होगी शूटिंग

अभिनेत्री वामिका गब्बी को पिछली बार वेब सीरीज जुबली में देखा गया था। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।अब जुबली की आपार सफलता के बाद वामिका के हाथ एक एटली कुमार की आगामी फिल्म लग गई है, जिसमें वह वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने कुछ दिन पहले मुंबई के एक 5 स्टार हॉटल में फिल्म का छोटा सा मुहूर्त रखा था। एटली और वरुण की आगामी फिल्म इसलिए ज्यादा खास है क्योंकि साउथ में अपना जलवा बिखेरने के बाद अब कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाने को तैयार हैं।यह एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जिसका निर्देशन कलीस कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होगी। यह वरुण धवन की 18वीं फिल्म होगी और यह तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। थेरी 2016 में आई थी और इसका निर्देशन एटली ने किया था। इस फिल्म में थलापति विजय, सामंथा रुथ प्रभु और एमी जैकसन मुख्य भूमिका में थे।

रॉकी और रानी... बनी 100 करोड़ी, आलिया और रणवीर की ये फिल्में भी दुनियाभर में छाईं

करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी अपनी रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है।फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी ने लोगों का दिल जीत लिया है तो इसकी कहानी भी उन्हें पसंद आ रही है।रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही यह फिल्म दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रही है।दरअसल, फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।धर्मा प्रोडक्शंस की ओर से ट्विटर पर पोस्ट साझा कर फिल्म को दुनियाभर में मिले बेशुमार प्यार की जानकारी दी गई है।उन्होंने लिखा, हर तरफ से बस प्यार, क्योंकि इनकी प्रेम कहानी दुनियाभर में मशहूर हो रही है। वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़। सच में लव है तो सब है।इससे प्रशंसक भी खुश हो गए हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।एक ने लिखा, आप बॉलीवुड को नजरअंदाज कर सकते हैं पर करण जौहर को नहीं। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म अपनी रिलीज के 4 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।फिल्म में रॉकी और रानी की कहानी दिखाई गई है, जो एक-दूसरे से एकदम अलग होने के बाद भी प्यार कर बैठते हैं।इसके बाद दोनों अपने परिवारों को मनाने के लिए एक-दूसरे के घर में जाकर रहते हैं। आलिया-रणवीर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से पहले गली बॉय ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर दुनियाभर में अपनी धाक जमाई थी।आलिया की आरआरआर, ब्रह्मास्त्र, गंगूबाई काठियावाड़ी, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, राजी, डियर जिंदगी, 2 स्टेट्स और हम्टी शर्मा की दुल्हनिया ने भी 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। बात करें रणवीर की तो उनकी सिंबा, पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, दिल धड़कने दो और गोलियों की रासलीलाः रामलीला इस जादुई आंकड़े को पार कर चुकी हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com